पौष कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 162 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
15 दिसंबर 2025 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28.2 अधिकतम
5.8 न्यूनतम

Page- 7

# बिहार के 'गडकरी' को बीजेपी का मुखिया बनाए जाने पर चौंकिए मत...

भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सिर्फ 45 साल के नितिन नबीन की नियुक्ति ने एक बार फिर यह जाहिर कर दिया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा को किस तरह आगे बढ़ना है और कहां तक जाना है। बीते पांच विधानसभा चुनावों से भारी भरकम वोटों से जीतने वाले नितिन नबीन को 2021 में बिहार का सड़क निर्माण मंत्री बनाया गया था । सड़क मंत्री के रूप में अपने काम से उनकी छवि बिहार के नितिन गडकरी की हो गई। नितिन गडकरी ने भी महाराष्ट्र में सड़क निर्माण मंत्री रहते हुए और मोदी सरकार में केंद्रीय राजमार्ग मंत्री के रूप में देश भर में सड़कों जो जाल बिछाया, उसी राह पर नितिन नबीन बिहार में चलते रहे हैं। भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर जो राजनीति के पंडित बीते डेढ़ सालों से पतंगबाजी में मशगूल थे, उनका इस फैसले से चौंकना लाजमी है। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के चलते जगतप्रकाश नड्डा का कार्यकाल बढ़ाया गया था। जब वो केंद्रीय मंत्री भी बन गए तो दो पदों पर काम को लेकर ऐतराज से अटकलबाजियों का सिलसिला तेज हुआ और नड्ड़ा का कार्यकाल भी आगे बढ़ता रहा। इस बीच हरियाणा, महाराष्ट्र दिल्ली और बिहार का चुनाव भी उनके अध्यक्ष रहते हो गया। खासतौर से बिहार की चुनावी सरगर्मी के बीच फिर से कयासबाजी चलने लगी। हालाँकि इसी साल जुलाई में अपने प्रसंगवश कॉलम में मैंने साफतौर पर लिखा था कि बिहार चुनाव पूरा हो जाने तक नड्डा ही अध्यक्ष बने रहेंगे। अब कहा जा रहा है कि अगले अध्यक्ष के चुनाव तक जेपी नड्डा पार्टी ही जिम्मेदारी सम्हालते रहेंगे। इसके बाद नितिन नबीन पार्टी के सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर कमान संभालेंगे। हालांकि मेरा आकलन यह है कि बंगाल विधानसभा चुनाव तक नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे और कार्यकारी अध्यक्ष के बतौर उनके साथ नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की भूमिका में रखा जाएगा। कहने का आशय है कि संघ,भाजपा और आज के दौर में मोहन भागवत से लेकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह तक पर अटकलबाजी राजनीतिक विश्लेषकों को बचना चाहिए । खासतौर से वो जो आधुनिक दौर की भाजपा और शतकवीर आरएसएस की रीतिनीति, कार्यशैली और उनके फैसलों के आधार को बारीकी से नहीं जानते- समझते। वे दूसरी पार्टी के पैमानों पर आकलन की कोशिश करते हैं । जबकि सच तो यह है कि बीजेपी और संघ के शीर्ष नेतृत्व की सोच की शुरुआत वहां से शुरू होती है, जहां विश्लेषकों के तर्क, वितर्क और कुतर्कों के सारे के तीर खत्म हो जाते हैं।

**प्रसंगवश**
**राजेश सिरोठिया**

## नितिन की नियुक्ति के पीछे क्या संदेश?

पार्टी ने अपने भविष्य के सवांरने और आगे बढ़ाने के लिए 45 साल के नेता को कार्यकारी अध्यक्ष के ओहदे से नवाजकर एक साथ कई तीर चले हैं । उसने एक बार फिर साबित किया है कि भाजपा परिवारवादी परंपराओं को पीछे छोड़कर देश हित में किस हद तक जाकर अपने छोटे से कार्यकर्ता को फर्श से अर्श पर बिठा सकती है। नितिन नबीन के ट्रैक रिकॉर्ड पर नजर डालें तो लगातार पांच चुनावों में उनकी जीत तुक्का नहीं हो सकती । कोई अपने सहज व्यवहार, और लो प्रोफाइल कार्यशैली के बूते पर ही ऐसी लोकप्रियता हासिल कर सकता है। पहला चुनाव वे पटना पश्चिम से जीते और बाद के चार चुनाव में बांकीपुर विधानसभा सीट पर खुद को रणबाकुंरा साबित किया। संगठन के लिहाज से देखें तो वह भाजयुमो के राष्ट्रीय महासचिव तथा भाजयुमो बिहार के अध्यक्ष भी रहे। 2019 में सिक्किम विधानसभा में चुनाव प्रभारी रहे। 2021 से छत्तीसगढ़ में संगठन के सह प्रभारी रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में छग भाजपा का प्रभार भी उनके पास था।

**6 सितंबर को प्रकाशित**




अटकलों से अलग, दोपहर मेट्रो ने तीन महीने पहले ही बता दिया था कि बिहार चुनाव तक नड्डा बने रहेंगे पार्टी अध्यक्ष

## नितिन- नड्डा की जोड़ी और बंगाल चुनाव

आगे बंगाल के चुनाव सिर पर हैं। इसे लेकर पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों से सतर्क भाजपा ने नितिन नबीन को नड्डा का सहयोगी बनाया है तो इसके कारणों को भी समझना होगा। नितिन का परिवार जनसंघ के जमाने से ही राष्ट्रवाद का झंडा उठाकर चल रहा है। उनके पिता स्व. नवीन किशोर सिन्हा और उनके दादा की पृष्ठभूमि भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की रही है। वो कायस्थ परिवार से आते हैं। बंगाल में भी कायस्थ समाज के वोटरों की अच्छी खासी तादाद है। इसी तरह जगत प्रकाश नड्डा भले ही हिमाचल के हों लेकिन बिहार में पढ़ाई और शुरूआती सियासत के कारण उनके पास बिहार से लेकर बंगाल तक की गहरी समझ है। नड्डा भले ही हिमाचली ब्राह्मण हों लेकिन उनकी सास जयश्री बनर्जी जबलपुर से विधायक से लेकर सांसद तक रही हैं। मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार में वे मंत्री भी रहीं। उनकी पत्नी डॉ मल्लिका बनर्जी भी भाजपा की पुरानी कार्यकर्ता रहीं हैं। ऐसे में बंगाल में दोनों नेताओं का उपयोग पार्टी किस तरह से करेगी, समझा जा सकता है।

**मरने वालों की संख्या 16 हुई**

**1998 में छात्र वीजा पर आया था साजिद बेटे नवीद ने पास की है कुरान की परीक्षा**

# पाक मूल के बाप-बेटे ने किया था सिडनी में आतंकी हमला

**सिडनी, एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। मरने वालों में एक 10 साल की बच्ची और एक इजराइली नागरिक भी शामिल है। इसके अलावा 45 लोग घायल हैं। पुलिस ने बताया कि बॉन्डी बीच पर हनुक्का फेस्टिवल मना रहे लोगों पर गोलीबारी बाप-बेटे ने की। इन दोनों पर पाकिस्तानी मूल के होने का शक है। पुलिस ने 50 साल के पिता साजिद अकरम को मौके पर ही गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि 24 साल का बेटा नवीद अकरम अस्पताल में गंभीर लेकिन स्थिर हालत में है। दोनों हमलावरों ने भीड़ पर अंधाधुन गोलीबारी की। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों ने 6 लाइसेंस वाले हथियारों से हमला किया।

**परिवार को बताया मछली पकड़ने जा रहे:** दोनों शख्स ने अपने परिवार को बताया था कि वे मछली पकड़ने के लिए दक्षिण तट की यात्रा पर जा रहे हैं। मुठभेड़ में मारा मारा गया आतंकी बाप फल की दुकान चलाता था और नवीद अकरम एक बेरोजगार राजमिस्त्री था, जिसने लगभग दो महीने पहले अपनी नौकरी खो दी थी। उसने पश्चिमी सिडनी के हेकेनबर्ग में स्थित अल-मुराद संस्थान में कुरान की पढ़ाई पास की है।

### रेजिडेंट रिटर्न वीजा पर रह रहे थे

ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने खुलासा किया है कि साजिद अकरम 1998 में छात्र वीजा पर ऑस्ट्रेलिया आया था। उसने वेरेना नामक ऑस्ट्रेलियाई महिला से शादी की और अपना वीजा पार्टनर वीजा में बदल लिया। तब से वह रेजिडेंट रिटर्न वीजा पर हैं। यानी साजिद अकरम के पास ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता नहीं थी अकरम के बेटे नवीद का जन्म 2001 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। वह एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है।

### मां को यकीन नहीं हो रहा उसने हमला किया

नवीदअक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन के जांच के घेरे में आए था। हालांकि, उस समय उनके खिलाफ हिंसा में शामिल होने या किसी भी प्रकार के खतरे का कोई संकेत नहीं मिला था। हमले को लेकर वेरेना ने मीडिया को बताया कि मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि उसने कोई आतंकी हमला किया है। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा बहुत अच्छा है। वह कभी गलत संगत में भी नहीं रहा।

### ऑस्ट्रेलिया सरकार जिम्मेदार : नेतन्याहू

वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार की नीतियों को हमले के जिम्मेदार बताया है। उन्होंने ही यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दिया है। नेतन्याहू ने कहा, 'कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलियाई पीएम को पत्र लिखकर कहा था कि आपकी नीति यहूदी विरोधी आग को और भड़का रही है। 'नेतन्याहू के मुताबिक सरकार की नीतियों ने आग में घी डालने का काम किया।

# दिल्ली एनसीआर में घना कोहरा 40 फ्लाइट रद्द, ट्रेन भी लेट

**नईदिल्ली, एजेंसी**

सर्दी की पहली बड़ी कोहरे की चादर ने आज सुबह दिल्ली-एनसीआर को पूरी तरह ढक लिया। विजिबिलिटी कुछ जगहों पर शून्य से 50 मीटर तक गिर गई, जिससे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। एयरपोर्ट पर कैट लो विजिबिलिटी प्रक्रियाएं लागू की गईं, लेकिन फिर भी कई उड़ानें देरी से चलीं। वहीं कुछ कैंसिल हुईं या डायवर्ट कर दी गईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुबह से अब तक दिल्ली एयरपोर्ट पर 200 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित हुईं, जिनमें करीब 40 उड़ानें रद की गईं और चार को जयपुर जैसे अन्य एयरपोर्ट्स पर डायवर्ट किया गया है। वहीं, कोहरे के कारण ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुई है। *(कई राज्यों में कोहरे से हादसे: पेज 8)*

# संसद में हंगामा, पीएम के अपमान पर सोनिया गांधी से माफी की मांग

**नईदिल्ली, एजेंसी**

संसद के शीतकालीन सत्र में आज अंतिम हफ्ते की कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई। पीएम मोदी के कथित अपमान को लेकर लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी जमकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोनिया गांधी से माफी मांगने की मांग की। रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी की रैली में पीएम मोदी के कथित अपमान का जिक्र करते हुए कहा, 'कल कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री मोदी के लिए कब्र खोदे जाने की बात कही गई। कांग्रेस पार्टी ने राजनीति का स्तर गिरा दिया है। पार्टी नेतृत्व को इस घटना के लिए माफी मांगनी चाहिए।' रिजिजू ने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी की रैली का जिक्र कर रहे थे।

# फंदे पर लटके मिले पिता और 3 नाबालिग बेटियों के शव

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी**

मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिश्रौलिया गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गोपी कार बाजार के समीप एक घर से एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव एक साथ मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में पिता और उसकी तीन नाबालिग बेटियां शामिल हैं। सभी के शव घर के भीतर फंदे से लटके पाए गए। मृतक की पहचान अमरनाथ राम (36) के रूप में हुई है। वहीं, उनकी बेटियां अनुराधा कुमारी (12), शिवानी कुमारी (11) और राधिका कुमारी (8) भी इस दर्दनाक घटना का शिकार हुई हैं। पुलिस के अनुसार कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

# सुप्रीम कोर्ट दिल्ली प्रदूषण पर सख्त गाइडलाइन जारी करेगा

**नईदिल्ली, एजेंसी**

राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आज इस मामले पर चिंता जताते हुए वायु प्रदूषण पर गाइडलाइन जारी करने पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रभावी आदेश जारी करेगा, जिन्हें लागू किया जा सके। इसके अलावा अदालत ने कहा कि वह 17 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में गंभीर वायु प्रदूषण से जुड़े मामलों की सुनवाई करेगा। प्रदूषण के मुद्दे पर बोलते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हम समस्या जानते हैं और ऐसे आदेश पारित करेंगे जिन्हें जबरदस्ती लागू किया जा सकता है।

**सभी आवेदकों को पब्लिक करनी होगी अपनी प्रोफाइल**

# एच-1बी वीजा का सोशल मीडिया जांच नियम लागू

**वॉशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन आज से एच-1बी वीजा और उसके आश्रित एच-4 वीजा आवेदकों के लिए कड़ी स्क्रीनिंग (जांच) प्रक्रिया लागू कर रहा है। इसके तहत अब इन वीजा श्रेणियों के सभी आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल की भी जांच की जाएगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि इस फैसले का उद्देश्य वीजा प्रक्रिया को और अधिक सख्त तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुरूप बनाना है। नए निर्देशों के तहत इन सभी श्रेणियों के आवेदकों को अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग पब्लिक रखने के लिए कहा गया है, ताकि जांच प्रक्रिया सुचारु रूप से की जा सके। विदेश विभाग के अनुसार, अब एच-1बी और एच-4 वीजा आवेदकों की ऑनलाइन मौजूदगी की समीक्षा अनिवार्य होगी। इस फैसले के बाद भारत में कई एच-1बी वीजा धारकों के साक्षात्कार पुनर्निर्धारित किए गए हैं। विदेश विभाग ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है और हर वीजा निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा होता है।

अपना केवाईसी अपडेट रखें
ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें



यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,
तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,
तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ
आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

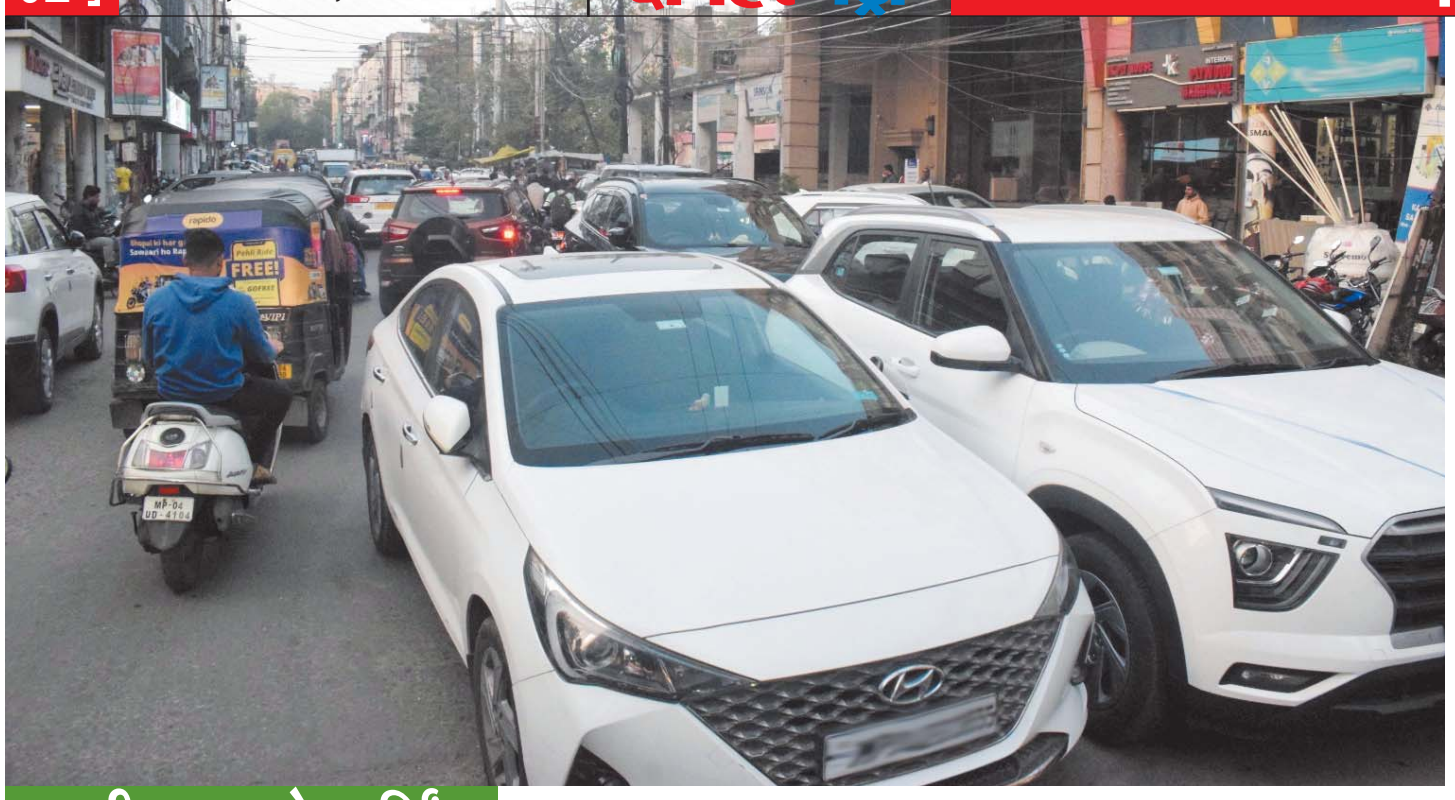

## एमपी नगरः नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियां बनती हैं जाम की बड़ी वजह

**भोपाल।** राजधानी के कारोबारी हब एमपी नगर क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था होने के बाद भी अव्यवस्था कम होने का नाम नहीं ले रही। निर्धारित पार्किंग स्थलों के रहते हुए भी लोग वाहन सड़कों पर नो-पार्किंग में खड़े कर देते हैं, जिससे रोजाना घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। एमपी नगर की मुख्य सड़कों, खासकर जोन-1 और जोन-2 में हालात इतने खराब हैं कि सड़कें आधी कारों और दोपहिया वाहनों से घिरी रहती हैं। जाम लगने पर वाहन निकालने की जगह तक नहीं मिलती। कई बार एम्बुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी फंस जाते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक यातायात पुलिस की चेकिंग केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जबकि अवैध पार्किंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई नजर नहीं आती। राहगीरों ने बताया कि रोजाना ऑफिस टाइम पर जाम इतना बढ़ जाता है कि 5 मिनट का रास्ता 20-25 मिनट में पार होता है। पार्किंग जोन बनने के बाद उम्मीद थी कि यातायात सुचारू होगा, लेकिन पार्किंग मैनेजमेंट सिस्टम मजबूत नहीं निगरानी की कमी जुर्माना कार्रवाई नगण्य इन वजहों से स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर तत्काल जुर्माना लगाया जाए और पार्किंग नियमों का कड़ाई से पालन कराया, ताकि एमपी नगर की सड़कों पर रोज लगने वाले जाम से छुटकारा मिल सके।

### ग्रामीण इलाकों में तेजी से हो रहा अनियमित विकास

# शहरों से लगी पंचायतों में भी लागू होगा नगरीय विकास का कॉलोनाइजर एक्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में शहरों से लगे ग्रामीण इलाकों में तेजी से विकास हो रहा है। शहरों से लगी पंचायतों में भी अब नगरीय विकास का कॉलोनाइजर एक्ट लागू होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं। जिसके बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में तेजी के साथ शहरीकरण हो रहा है। शहरों में भूखंड का मूल्य अधिक होने से पास की पंचायतों में तेजी के साथ नई-नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। दरअसल, पंचायत क्षेत्र में कॉलोनाइजर को आसानी से अनुमतियां मिल जाती हैं। वे कॉलोनी बनाकर निकल जाते हैं लेकिन आवश्यक सुविधाओं का विकास नहीं करते हैं। पंचायतें भी ध्यान नहीं देती हैं और जब यह कालोनियां नगरीय निकायों में शामिल होती हैं तो फिर विकास से जुड़े मुद्दे खड़े हो जाते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने तय किया है कि नगरीय क्षेत्र से लगी हुई पंचायतों में भी नगरीय विकास एवं आवास विभाग के कालोनाइजर एक्ट के प्रविधान लागू किए जाएंगे। इसके लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद नियमों में संशोधन किया जाएगा।

### बड़े शहरों के आसपास गावों में बन रहीं कॉलोनियां

प्रदेश में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित अन्य शहरी क्षेत्रों के बाहर कॉलोनियां तेजी से विकसित हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण यहां अनुमतियां आसानी से मिल जाती हैं। ज्यादा निगरानी भी नहीं होती है। कॉलोनाइजर कॉलोनी तो बना देते हैं, लेकिन आवश्यक अधोसंरचना का विकास नहीं होता है। नियमानुसार खाली भूमि भी नहीं छोड़ी जाती है।

### बाद में नगरीय निकायों पर बढ़ता है दबाव

आश्रय शुल्क जिला पंचायत में जमा कर दिया जाता है, लेकिन इसका उपयोग भी संबंधित क्षेत्र के विकास में नहीं होता है। जब ये क्षेत्र नगरीय निकायों में शामिल होते हैं तो अन्य क्षेत्रों के समान विकास की मांग उठती है। निकायों के ऊपर दबाव बनता है। लेकिन माली स्थिति ठीक नहीं होने के कारण काम नहीं हो पाते हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि नियम इस तरह बनाए जाएं जिससे एक तो अवैध कालोनियां बन ही न पाएं और दूसरा जो कॉलोनियां बन गई हैं, वहां विकास कार्यों की चिंता की जाए।

### उल्लंघन करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

सूत्रों का कहना है कि जिस तरह से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के कॉलोनाइजर नियम हैं, वैसे ही शहरों से लगी पंचायतों में लागू किए जाएंगे। जिस तरह नक्शा पास कराने से लेकर अन्य अनुमतियां नगरीय क्षेत्रों में लेनी होती हैं, वे सभी लेनी होंगी। आवश्यक अधोसरंचना विकास के काम भी करने होंगे और इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई भी होगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभी ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नियम लागू होते हैं, इसलिए विभाग से सहमति लेकर दोनों विभाग अपने-अपने नियमों में संशोधन करेंगे। चूंकि, मामला नीतिगत निर्णय का है इसलिए प्रस्ताव को कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा।

### रेलवे पर लगा हजारों का जुर्माना

# ट्रेन के कैंसिल टिकट का रिफंड नहीं देना पड़ रहा है महंगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ट्रेन का रूट डायवर्ट होने के कारण टिकट रद कराने के बावजूद रिफंड न देने पर जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-2 ने रेलवे को दोषी ठहराया है। आयोग ने रेलवे को टिकट की राशि 2240 रुपये लौटाने के साथ 15 हजार रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया है। यह राशि दो माह के भीतर उपभोक्ता को अदा करनी होगी।

मामला बैरसिया निवासी मोहम्मद फहीम से जुड़ा है। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ एक गमी में शामिल होने के लिए इंदौर-बरेली एक्सप्रेस का टिकट 2240 रुपये में बुक कराया था। यात्रा 14 दिसंबर 2023 को संत हिरदाराम नगर स्टेशन से रात 9.40 बजे प्रारंभ होनी थी। हालांकि, ट्रेन के निर्धारित समय से करीब चार घंटे पहले उनके मोबाइल पर रेलवे की ओर से संदेश आया कि ट्रेन का रूट डायवर्ट कर दिया गया है और वह संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर नहीं आएगी।

**रिफंड न देना पड़ा महंगा :** इस सूचना के बाद उपभोक्ता ने मजबूरी में टिकट रद कराया और वैकल्पिक रूप से जबलपुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस से यात्रा की। उन्हें दो स्थानों पर बस बदलकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा, जिससे काफी परेशानी हुई। उपभोक्ता ने रद टिकट अपने भाई को देकर स्टेशन से रिफंड लेने भेजा, लेकिन रेलवे ने राशि लौटाने से इनकार कर दिया।

### 17 हजार का लगा हर्जाना

रेलवे की ओर से तर्क दिया गया कि नियमों के अनुसार ट्रेन के छूटने के 72 घंटे के भीतर बोर्डिंग स्टेशन पर टीडीआर दाखिल करना जरूरी था, जबकि रसीद रानी कमलापति स्टेशन पर जमा की गई। आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह तथा सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल की पीठ ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि उपभोक्ता ने समय सीमा के भीतर रिफंड के लिए प्रयास किया था। आयोग ने माना कि टिकट रद होने के बावजूद रिफंड न देना और टालमटोली करना सेवा में कमी है, जो यात्रियों के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। इसी आधार पर रेलवे पर कुल 17 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया।

## छात्राओं ने की एडवेंचर्स पार्क की सैर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए जंपिंग फ्रॉग एंड एडवेंचर्स पार्क में एक मनोरंजनात्मक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ मानसिक ताजगी, आनंद और आपसी मेल-जोल का अवसर प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने विभिन्न रोमांचक एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। इनमें ट्रैम्पोलिन कोर्ट, फ्री जंप कोर्ट, डॉज बॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, टग ऑफ वॉर कोर्ट, एयरबैग जंप, वॉल क्लाइंब, रोप स्विंग, फोम पूल, स्विंग ब्रिज, इन्फ्लेटेबल एवं एडवेंचर ऑब्स्टेकल कोर्स, क्रेजी रोलर, वाइप आउट, 360-डिग्री साइक्लिंग, ज़ॉर्बिंग, निंजा कोर्स सहित अनेक रोचक गतिविधियां शामिल रहीं।

### मोहित शेवानी की जर्नी ऑफ सिंधीज टीम की यादगार प्रस्तुति

# सिंधी समाज की पीड़ा को एआई से किया पेश

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सांस्कृतिक संध्या जर्नी ऑफ सिंधीज की प्रभावी प्रस्तुति का साक्षी बना संतनगर। समाज के कलाकार मोहित शेवानी की इस प्रस्तुति यादगार रही। एआई तकनीक से सिंधी समाज के इतिहास को सबके सामने पेश किया गया। नीं ऑफ़ सिंधिज के माध्यम से सिंधी समुदाय की हजारों साल पुरानी विरासत, समाज द्वारा किये गए संघर्षों, पुनर्वास की अद्भुत यात्रा को बंया कर रही थी। सांस्कृतिक गौरव को नई पीढ़ी के सामने जीवंत रूप में समाज के कलाकारों ने प्रस्तुत किया ।

संत हिरदराम गर्ल्स कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को सहयोग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार कथावाचक मोहित शेवाणी थे जिन्होंने गहन अभिव्यक्ति, प्रभावशाली वाचन शैली और भावनात्मक प्रस्तुति से कार्यक्रम को केवल एक शो नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक

आंदोलन का स्वरूप प्रदान करने का काम किया। उनके साथ मंच पर सुप्रसिद्ध कलाकार शुभम नाथानी, रितुका सुन्दरानी और निशी घमेचा अपनी सुमधुर गायकी और संगीतमय प्रस्तुति से कार्यक्रम को और खास बना रहे थे । इसकी पटकथा साहित्यकार खीमन यू मुलानी द्वारा लिखित थी तथा भगवान बाबानी द्वारा लिप्यंतरित थे एआई विजुअल्स दिव्या प्रीतमानी ने ए । संगीत, कथा और मंचन के माध्यम से सिंधी समुदाय के संघर्ष, विभाजन की पीड़ा उनके साहस, पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक समृद्धि की यात्रा को अत्यंत सूक्ष्मता और मार्मिकता के साथ प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में संतजी के शिष्य श्रद्धेय सिद्ध भाऊ, डॉ. राम जवहरानी, मुंबई से सुरेश हरवानी, हीरो ज्ञानचंदानी, महेश दयारामानी, मांधु चांदवानी, हीरो हिंदू नानक दादलानी, नन्द दादलानी, भरत आसवानी, पंकज आसवानी, जगदीश खानचंदानी आदि शामिल हुए।

## सामूहिक हनुमान चालीसा एवं भव्य आरती हुई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

शक्ल हिंदू समाज द्वारा नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं राम भक्त हनुमान जी महाराज की आरती की गई। मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। कथाव्यास गौवत्स अंकित कृष्ण तेनगुरिया बटुक जी महाराज, कथाव्यास आचार्य श्री कृष्णा पाण्डेय की अगवाई शक्ल हिंदू समाज एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने बैरागढ़ थाने से नुक्कड़ वाली माता मंदिर तक ढोल धमाका के साथ श्रद्धालु लोगों ने पुष्पों की वर्षा की गई। आचार्य अंकित कृष्णा बटुक जी ज्योत प्रज्वलित की बटुक जी महाराज ने कहा हनुमान ज्ञान और गुण के सागर हैं राम के दूत अतुलित बलशाली वज्र के समान शरीर वाले शंकर के अवतार है वे विदयावान गुन अति चातुर है सीता माता को दिखाने के लिए छोटा रूप लंका जलाने के लिए विशाल रूप धारण किया बड़े हर्ष उल्लास के साथ ओम का उच्चारण करके बीज मंत्र से श्री राम जय राम जय जय राम कहते हनुमान चालीसा का पाठ शुभारंभ किया, आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

**मेट्रो एंकर**

### कवर्ड कैंपस कार्य भोपाल विभाग की ओर से संवाद कार्यक्रम

# व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभवः मुकुंद जी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भोपाल विभाग की ओर से रविवार को कवर्ड कैंपस कार्य के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनआईटीटीआर में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य कवर्ड कैंपस में संघ कार्य को और अधिक सशक्त बनाना तथा कार्यकर्ताओं को वैचारिक स्पष्टता के साथ समाज परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री मुकुंद जी मुख्य वक्ता के रूप मे उपस्थित हुए और उन्होंने जनशक्ति एवं मातृशक्ति से आत्मीय संवाद किया। कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के सह संघचालक डॉ. राजेश सेठी जी, भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में सह सरकार्यवाह मुकुंद जी ने कहा कि संघ कार्य की दृष्टि से कवर्ड कैंपस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहाँ लोग

स्वभाव से ही राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित होते हैं और अपने आचरण तथा संपर्क के माध्यम से व्यक्ति और समाज में राष्ट्रभाव जागृत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव है और यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल उद्देश्य है।

### राष्ट्रभाव को मजबूत किया जा रहा है

संवाद के दौरान उपस्थित लोगों ने अपने-अपने कवर्ड कैंपस में चल रहे संघ कार्य, उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में अनुभव साझा किए। स्वयंसेवकों ने बताया कि किस प्रकार नियमित संपर्क, सामाजिक समरसता और सेवा गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रभाव को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर मुकुंद जी ने कहा कि आदर्श कवर्ड कैंपस निर्माण के लिए आवश्यक है कि रहवासी स्वयं चिंतन करें, टोली बनाकर सामूहिक रूप से कार्य की योजना तैयार करें और उसे निरंतरता के साथ स्थापित करें। मुकुंद जी ने कहा कि संघ ने अपने 100 वर्षों के कार्यकाल में इसी ध्येय मंत्र को केंद्र में रखकर कार्य किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज समाज में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि केवल व्यवस्था परिवर्तन से होने वाले बदलाव स्थायी नहीं होते। जब तक व्यक्ति के विचार, आचरण और जीवन मूल्य नहीं बदलते, तब तक समाज में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज पर केवल सैन्य आक्रमण ही नहीं हुए, बल्कि समय-समय पर आर्थिक और वैचारिक आक्रमण भी होते रहे हैं।

ऐसे में समाज को सजग, संगठित और आत्मनिर्भर बनाना आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें आज जो संस्कार, संस्कृति और मूल्य प्राप्त हुए हैं, उन्हें अगली पीढ़ी तक सुरक्षित रूप से पहुँचाना हमारा दायित्व है।

## सोशल मीडिया फ्रेंड ने छात्रा से रेप किया घुमाने के बहाने साथ ले गया था आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के पिपलानी इलाके में नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। वारदात को इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अंजाम दिया है। आरोपी ने मुलाकात और फिर घुमाने के बहाने पीड़िता को बुलाया था। मामले में पुलिस ने रेप और पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है। थाना प्रभारी चंद्रिका यादव के मुताबिक 15 वर्षीय किशोरी एक निजी स्कूल की छात्रा है। छात्रा की दोस्ती इंस्टाग्राम पर विक्की प्रसाद नाम के युवक से हुई थी। पहले दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर बातचीत होती रही, और फिर मोबाइल पर बात होने लगी। आरोपी युवक ने उसे घुमाने के बहाने मिलने के लिए बुलाया और उसे अपने कमरे पर ले गया। जहां उसने पीड़िता के साथ रेप किया और बाद में उसे छोड़कर भाग गया। तबीयत बिगड़ने पर अपने घर पहुंची पीड़िता ने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। साथ ही थाने पहुंचकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भी घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इधर, खजूरी सड़क पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय किशोरी क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहती है। करीब छह महीने से उसकी बड़ी मम्मी का रिश्तेदार विवेक गिरी का छात्रा के घर पर आना जाना था। आरोपी समय-समय पर पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें करता था। करीब एक सप्ताह पहले उसने छात्रा को घर में अकेला पाकर उसके साथ रेप किया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

# डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

# अभूतपूर्व अधोसंरचना विकास

## सड़क नेटवर्क- बेहतर होती कनेक्टिविटी

- वर्ष 2025-26 में 4078 कि.मी. लंबी सड़कों के निर्माण और अगले 5 वर्ष में 1 लाख कि.मी. सड़कों के निर्माण का लक्ष्य
- उज्जैन-जावरा के मध्य 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाई-वे निर्माण के लिए ₹5 हजार करोड़ से अधिक की स्वीकृति
- ₹1692 करोड़ की लागत से बनने वाले उज्जैन-इन्दौर 6-लेन मार्ग का भूमिपूजन
- ₹3589 करोड़ की लागत से भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति
- 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना स्वीकृत
- वर्तमान में ₹ 48,178 करोड़ की 73 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 8565 गांव सड़कों से जुड़े
- मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत 20,650 छोटे गांवों में 30,900 कि.मी. पक्की सड़कें बनेंगी, जिसके लिए ₹21,630 करोड़ की स्वीकृति

## वायुसेवा और क्षेत्रीय संपर्क

- रीवा, दतिया और सतना हवाई अड्डे का लोकार्पण
- विंध्यवासियों को सौगात, रीवा-दिल्ली और रीवा-इंदौर हवाई सेवा प्रारंभ
- उज्जैन हवाई अड्डे के विकास अनुबंध पर हस्ताक्षर
- ग्वालियर से बेंगलुरु,अहमदाबाद, दिल्ली और अयोध्या के लिए वायु सेवा प्रारंभ

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

## रेल और मेट्रो सेवा का विस्तार



- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के 6 अमृत स्टेशन- शाजापुर, नर्मदापुरम, कटनी साउथ, श्रीधाम, सिवनी और ओरछा का लोकार्पण
- इंदौर में मेट्रो सेवा शुरू, भोपाल में शीघ्र शुरू होगा संचालन
- इंदौर-उज्जैन के मध्य शुरू होगा मेट्रो ट्रेन संचालन
- प्रदेश में बनेगा रेल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर, भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) को सौंपा गया भूमि आबंटन पत्र। रायसेन के उमरिया में होगी स्थापना

## नवीकरणीय ऊर्जा और क्षमता वृद्धि

- मुरैना में पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना ₹ 2.70 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली प्राप्त
- प्रदेश में 2000 मेगावॉट सौर पार्क व 1000 मेगावॉट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति
- ओंकारेश्वर 278 मेगावॉट फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट से विद्युत उत्पादन प्रारंभ
- 880 मेगावॉट क्षमता की आगर और नीमच सौर परियोजना प्रारंभ
- बिजली उपभोक्ताओं की सुगमता के लिए समाधान योजना प्रारंभ
- उद्योगों सहित सभी गैर-कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिदिन औसतन 10 घंटे बिजली प्रदाय

## सिंचाई परियोजनाएं और जल संसाधन

- प्रदेश में लगभग 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित। वर्ष 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2028-29 तक 1 करोड़ हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की पहली नदी-जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमिपूजन। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को लेकर त्रि-पक्षीय समझौता और तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना के लिए महाराष्ट्र के साथ एमओयू
- "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 वृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजनाएं निर्माणाधीन
- ₹2489 करोड़ से अधिक की लागत से तराना में नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण। इससे 100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी
- माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य



मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

# विकास और सेवा के 2 वर्ष

मध्यप्रदेश अपने बेहतर कल की बुनियाद बना रहा है, जहां सड़क, रेल, हवाई सेवा और ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की हो रही है। विकसित भारत का संकल्प तीव्र विकास, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और पर्याप्त संसाधन से ही संभव होगा। मध्यप्रदेश प्रगति की नई तस्वीर बना रहा है।

**- डॉ. मोहन यादव**
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11161/25

## नए खतरे की पहचान

मुंबई से महज 60 किलोमीटर दूर ठाणे जिले का पडघा-बोरीवली क्षेत्र अचानक देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। यह केवल एक कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि उस सोच का संकेत है जो चुपचाप समाज की दरारों में प्रवेश कर रही है। यदि इस्लामिक स्टेट जैसी वैश्विक आतंकी विचारधारा महानगर के इतने करीब जड़ें जमाने की कोशिश कर पाती है, तो यह हमारी निगरानी व्यवस्था, सामाजिक सतर्कता और नीतिगत दृढ़ता-तीनों पर प्रश्नचिन्ह लगाती है। हाल के छापे, जो सिर्फ पडघा तक सीमित नहीं रहे बल्कि देश के लगभग 40 स्थानों पर एक साथ हुए, यह बताते हैं कि खतरा बिखरा हुआ और संगठित दोनों रूपों में मौजूद है। खुफिया एजेंसियों को पहले भी संकेत मिले थे, कार्रवाई भी हुई थी, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम केवल प्रतिक्रियात्मक रणनीति पर ही निर्भर रह गए हैं? आतंकवाद आज बंदूक से अधिक विचारधारा के सहारे फैलता है, और यही उसकी सबसे खतरनाक शक्ल है। इस्लामिक स्टेट की 'खुरासान' अवधारणा कभी एक दूर की आशंका मानी गई थी। मध्य-पूर्व में सैन्य हार के बाद इसे खारिज कर देना एक रणनीतिक भूल साबित हो सकता है। संगठनों का भूगोल बदलता है, लेकिन उनका लक्ष्य नहीं। कश्मीर में दिखे पोस्टर और नारों को चेतावनी मानकर यदि हमने व्यापक सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तैयारी की होती, तो शायद आज हालात अलग होते। इस पूरे प्रकरण में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिस गांव की पहचान स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान से रही हो, वही आतंक की पनाहगाह बनने के आरोपों में घिर जाए। यह बदलाव रातों- रात नहीं होता। इसके पीछे वर्षों की अनदेखी, कट्टरपंथी प्रचार, स्थानीय नेटवर्क और शायद संस्थागत ढिलाई भी काम करती है। साकिब जैसे नामों का बार-बार सामने आना यह दर्शाता है कि सजाएं पूरी होने के बाद भी पुनर्वास और निगरानी की हमारी व्यवस्था कितनी कमजोर है। यह समय आत्मसंतोष का नहीं है। 'जीरो टॉलरेंस' केवल बयान नहीं, बल्कि निरंतर और बहुस्तरीय कार्रवाई की मांग करता है- कानूनी, सामाजिक और वैचारिक। साथ ही, यह भी जरूरी है कि आतंकवाद को केवल सीमा-पार समस्या मानने की भूल न की जाए। पाकिस्तान की भूमिका पर नजर रखना उतना ही जरूरी है, जितना अपने घर के भीतर पनप रही कट्टरता को पहचानना। आखिरकार सवाल यह नहीं कि आतंक यहां तक कैसे पहुंचा, बल्कि यह है कि क्या हम अगली बार खतरे को उभरने से पहले पहचान पाएंगे- या फिर हर बार चौंक कर जागने की आदत ही हमारी नियति बन जाएगी?

# डिजिटल क्रांति के बावजूद टेलीविज़न मीडिया अभी जिन्दा है और शक्तिशाली भी



**आलोक मेहता**
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली मुंबई में कई प्रभावशाली लोगों को यह ग़लतफ़हमी है कि अब कौन टी वी देखता है या कौन अखबार या किताब पढ़ता है ? खासकर बड़े सरकारी अफसर और कुछ जमीन की सचाई से कटे हुए कॉर्पोरेट प्रबंधकों को मैंने भी यह कहते सुना और देखा है। मैं उनसे असहमत रहता हूँ। मेरे जमीनी अनुभव के बजाय कोई सरकार या अधिकृत कॉर्पोरेट मार्केटिंग के तथ्य पर ही विश्वास करना चाहे तो अधिकृत आंकड़े इस बात के प्रमाण है कि ' 2025 की आवाज है - टीवी अभी जिंदा है '230 मिलियन घर और 900 मिलियन दर्शक इससे जुड़े हुए हैं। तभी तो विश्व के शीर्ष नेताओं में से एक रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत यात्रा के एक दिन पहले भारत के टी वी न्यूज़ चैनल आज तक और इण्डिया टुडे को इंटरव्यू दिया। वैसे 2002 में भी उन्होंने भारत के टी वी चैनल एन डी टी वी ( विष्णु सोम ) और 2007 में भारतीय दूरदर्शन के लिए ( राघव बहल को ) इंटरव्यू दिए थे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का रेडियो पर मन की बात कार्यक्रम भारत के अधिकांश न्यूज़ चैनल प्रसारित करते हैं। लोक सभा चुनाव 2024 से पहले नेशनल और रीजनल टी वी चैनल्स को इतने अधिक इंटरव्यू दिए , जो एक रिकॉर्ड है। फिर वह न्यूज़ चैनल्स के इवेंटस में अपनी बातें लगातार रखते हैं। जनता पर सीधे संवाद का इससे अच्छा तरीका और कुछ नहीं हो सकता है।

सरकारी और कॉर्पोरेट प्रबंधकों को इस तथ्य पर भी विचार करना चाहिए कि मीडिया और इंटरटेनमेंट सेक्टर की बढ़ती आय 2.5 लाख करोड़ से बढ़कर 2.7 लाख करोड़ रूपये, इस बात का संकेत देती है कि आर्थिक मॉडल बदला है पर मजबूत बना हुआ है। उसी समय, प्रिंट मीडिया ने भी 2025 की पहली छमाही में 2.77% सर्कुलेशन में वृद्धि दिखाकर लाभ दिये और बताया कि उस पर भरोसा अभी भी कायम है। इन सब के बीच सबसे बड़ा खतरा और अवसर दोनों डिजिटल में हैं – जहां नियम, टेक्नोलॉजी और नागरिक-साक्षरता यह तय करेंगे कि अगला दशक मीडिया-स्वास्थ्य और लोकतंत्र के लिये सकारात्मक बनेगा या नहीं। वर्ष 2025 ने मीडिया-इकोसिस्टम के उस परिवर्तन को और स्पष्ट कर दिया जिसे कई लोग पिछले दशक से देख रहे थे। एक ओर पारंपरिक टेलीविजन (टीवी) की पहुँच और भरोसेमंदता बरकरार है, दूसरी ओर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म – ओ टी टी , सोशल मीडिया, न्यूज़ ऐप्स भी दर्शक और विज्ञापन की कमाई खींच रहे हैं। यही द्वैत न केवल दर्शक-व्यवहार बदलता है बल्कि मीडिया हाउसों के राजस्व, विज्ञापन मॉडल और नियंत्रण के स्वरूप को भी बदल रहा है।

उद्योग रिपोर्टों में बताया गया है कि टी वी के कुल स्क्रीन-काउंट 2024 में लगभग 190 मिलियन के स्तर पर था और 2026 तक इसे 214 मिलियन तक पहुँचने का प्रोजेक्शन दिया गया – इस वृद्धि से अनुमानित नई खरीद हर साल कई करोड़ स्क्रीन-वृद्धि के अनुरूप दिखती है। सरकारी रिपोर्ट्स के अनुसार 2025 में भारत में लगभग 230 मिलियन हाउसहोल्ड्स टीवी-नेटवर्क से जुड़े



हुए हैं और कुल दर्शकों की पहुँच लगभग 900 मिलियन तक बताई गयी है। यानी टीवी की बेस-लाइन्स पहुँच विशाल है; यह ग्रामीण-अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक जानकारी पहुँचाने का सबसे किफ़ायती और प्रभावी माध्यम बना हुआ है – खासकर जहाँ इंटरनेट-पेनिट्रेशन या ब्रॉडबैंड-गति सीमित है। यह ऊँचा दर्शक-आधार टीवी को– विशेषकर समाचार और राज्य/क्षेत्रीय सूचनाओं के लिए–एक निर्णायक माध्यम बनाता है, भले ही युवा दर्शक अधिकतर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर जा रहे हों। टीवी की पारंपरिक सामग्री न्यूज़ बुलेटिन , क्षेत्रीय सीरियल्स , धार्मिक और ग्रामीण कार्यक्रम अभी भी उस जनसमूह को सबसे पहले पहुँचाती है जिसका डिजिटल पहुंच सापेक्ष कम है।

बड़े लोग भूल जाते हैं कि मोबाइल फोन देश के गरीब वर्ग तक पहुंचा है। बताते हैं कि 100 करोड़ मोबाइल सेट लोगों के पास हैं। लेकिन दिल्ली मुंबई में सब्जी फल बेचने वाले या रिक्शा चालक या घरों में काम करने वाली महिलाएं मोबाइल फोन सामान्यतः घर परिवार या काम की बात करने सुनने के लिए करती हैं , उस पर न्यूज़ या उससे जुड़े प्रोग्राम नहीं देखतीद्ध यह बच्चों की पढ़ाई में कुछ सहायक है। इसी तरह विश्वास करना कठिन लग सकता है पर ए बी सी सर्कुलेशन के के प्रामाणिक आँकड़ों के अनुसार जनवरी-जून 2025 ऑडिट-पीरियड में दैनिक अख़बारों की औसत-क्वालिफाइंग-सेल्स 29,744,148 (29.74 मिलियन) प्रतियाँ रहीं, जो कि जुलाई-दिसम्बर 2024 के 28,941,876 (28.94 मिलियन) से 2.77% (लगभग 8.02 लाख प्रतियाँ) की वृद्धि थी। इस वृद्धि का कारण कई क्षेत्रों में पाठक आज भी स्थानीय खबर, -सूचना, रोजगार-सूचना और क्षेत्रीय भाषा की रिपोर्टिंग के लिए अख़बार पर भरोसा रखते हैं। कस्बों और गांवों में ही नहीं महानगरों में भी सामान्य लोग अख़बारों को विश्वसनीय और उपयोगी मानते हैं। हाँ पाठकों या दर्शकों की बदलती रुचियों और उपयोगिता को प्राथमिकता ही सफलता देता है।

राहुल गांधी जैसे नेता डिजिटल क्रांति के भरोसे हैं। याद कीजिये राहुल गाँधी ने केवल अर्नब गोस्वामी को एक टी वी इंटरव्यू दिया। फिर केवल डिजिटल यू ट्यूब चैनल कर्ली टेल्स ( ट्रेवल फ़ूड इत्यादि के लिए प्रसिद्ध ) को इंटरव्यू दिया। हाँ भाषण प्रेस कांफ्रेंस करते रहे और मीडिया कर्मियों की जातियों , मालिकों के नाम पूछकर अपमानित करते रहे। बहरहाल उनका शौक बॉक्सिंग रहा है। इसी तरह उन्हें मांसाहार प्रिय है। भारत में अब भी शाकाहारी और धर्मप्राण आबादी की संख्या सर्वाधिक है। वह पारम्परिक मीडिया से अधिक जुड़ी हुई है।

यों डिजिटल पर नई पीढ़ी का समाचार देखना/पढ़ना बढ़ा है , पर भरोसा घट रहा है। रायटर्स इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट्स के अनुसार डिजिटल-न्यूज़ की पहुंच विशेषकर शहरी तथा युवा-वर्ग में व्यापक है, पर फेक-न्यूज़ और हेट-स्पीच का खतरा साथ में बढ़ रहा है। सोशल-मीडिया, मैसेजिंग-ऐप्स और वायरल वीडियो के माध्यम से ग़लत सूचनाएँ तेज़ी से फैलती हैं। मैसेजिंग-ग्रुप्स (जैसे वॉट्सऐप): निजी/चोनल मैसेजिंग में वायरल अफवाहें सहजता से फैलती हैं – मॉडरेशन-ऐंड-टीकेडाउन जैसी कार्रवाई अक्सर लागू नहीं होती।2025 तक ए आई सक्षम ऑडियो/वीडियो एडिटिंग ने धोखे और गलत पहचान की घटनाएँ बढ़ा दी हैं। उनके लिए नियमों में -विशेष प्रावधान की कमी चिंता का मुद्दा है। अब नियंत्रित कंटेंट और सत्यापन डिटेक्शन, ऑटोमेटेड सत्यापन टूल और स्टैंडर्ड-मेट्रिक्स की आवश्यकता बढ़ेगी। वर्तमान नियम इन नए जोखिमों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। क़ानूनी संतुलन जैसे-जैसे डिजिटल पर नियंत्रण बढ़ेगा, अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता और सेंसरशिप के बीच संतुलन करना होगा। नियमन के पारदर्शी और अपील-मेकैनिज्म बेहद आवश्यक होंगे।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

75वीं पुण्यतिथि पर विशेष

# लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव



**योगेश कुमार गोयल**
स्तंभकार

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी।



राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

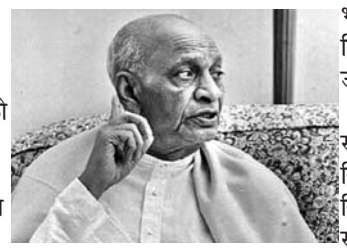

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की एकाग्रता और तन्मयता देख कर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विठ्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया।

अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

## सुविचार

*'सपनों को सच करने से पहले सपनों को ध्यान से देखना होता है।'*
*– अब्दुल कलाम*

## निशाना

### सपना तो सपना होता है

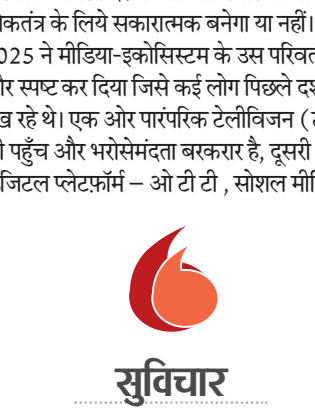



बसंत शर्मा

केवल कहने को ही तो अपना होता है
सच कहता हूँ सपना तो सपना होता है
निर्भर हैं दर्शन ठाकुर जी की मर्जी पर
भक्तों के वश बस माला जपना होता है
कैसे ठंडा करती जल मटकी से पूछो
कुटना पिटना भट्टी में तपना होता है
वो नहीं समझते कीमत एक घरोंदे की
जीवन भर की पूँजी का खपना होता है
बस्ती जलने का दुख तो बस बस्ती जाने
खबरों का क्या, उनको बस छपना होता है।

फैक्ट चेक

# एक ब्रांड के अंडे से कैंसर होने के वायरल दावे और विशेषज्ञ की पड़ताल

**जरा** सोचिए, जिस अंडे को आप रोजाना सेहत बनाने के लिए खाते हैं, वही अगर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी की वजह बन जाए तो? सुनकर चौंक गए ना, लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ वक्त से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि बाजार में मिल रहे Eggoz ब्रांड के अंडे कैंसर का कारण बन सकते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से फैल रही है जिसने सबको डरा दिया है। इस खबर में दावा किया जा रहा है कि बाजार में मिलने वाले कुछ खास ब्रांड के अंडों में खतरनाक केमिकल पाए गए हैं।

कहा जा रहा है कि ये केमिकल सीधे हमारे शरीर के DNA पर हमला करके हमें बीमार कर सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि इससे कैंसर का रिस्क काफी बढ़ जाता है। लेकिन डॉक्टर मनन वोरा ने एक वीडियो में पूरी सच्चाई बतायी है। मार्केट में मिल रहे अंडों के नकली होने और कैंसर का कारण बनने वाले दावों से आम लोग दंग हैं। इस पूरे मामले को जानने के बाद मुंबई के एक जाने-माने ऑर्थोपेडिक सर्जन, डॉ. मनन वोरा भी हैरान रह गए। इसकी वजह यह थी कि वह खुद भी इसी ब्रांड के अंडे खाते थे। इस खतरे की बात जानने के बाद, डॉ. वोरा ने एक वीडियो बनाकर लोगों को इस पूरे मामले की सच्चाई और इसकी गंभीरता के बारे में बताया है।

**क्यों अंडों को बताया जा रहा खतरनाक?:** डॉ. मनन वोरा ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए बताया कि जिस ब्रांड के अंडों का इस्तेमाल वह खुद भी करते थे, उनकी जांच में दो खतरनाक और प्रतिबंधित केमिकल मिले हैं। इनके नाम हैं नाइट्रोफ्यूरान और नाइट्रोइमिडाजोल। डॉक्टर के अनुसार, पोल्ट्री फार्मिंग में इन केमिकल्स का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। आमतौर पर इनका इस्तेमाल मुर्गियों को संक्रमण से बचाने के लिए किया जाता है और साथ ही, इनका गलत तरीके से उपयोग मुर्गियों को स्थिर रखने और ज्यादा अंडे पैदा करने के लिए भी किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बिल्कुल गलत है।

इन अंडों में पाए गए केमिकल के कारण कैंसर का खतरा इसलिए है क्योंकि ये 'जीनोटॉक्सिक' श्रेणी के होते हैं। आसान भाषा में इसका मतलब है कि इन केमिकल्स में हमारे शरीर के DNA को बदलने या नुकसान पहुंचाने की ताकत होती है। अगर DNA बदलता है, तो भविष्य में कैंसर होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। डॉ. वोरा ने बताया कि रिपोर्ट में 'नाइट्रोफ्यूरान मेटाबोलाइट' का स्तर 0.7 पाया गया, जबकि यह स्तर 0.4 से कम होना चाहिए या आदर्श रूप से तो बिल्कुल शून्य होना चाहिए था।

**नियमों के विरुद्ध केमिकल का इस्तेमाल:** डॉ. वोरा ने भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया FSSAI के नियमों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया के दूसरे देशों में इन खतरनाक केमिकल्स के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है, जबकि स्रस्द्ध भारत में इनकी कुछ हद तक (1.0 तक) अनुमति देता है। डॉक्टर को इस बात पर आश्चर्य हुआ कि जिस ब्रांड के अंडों में ये खतरनाक केमिकल मिले हैं, वह बाजार में इतना बड़ा कारोबार कैसे कर रहा है।

टेक्नो अपडेट

# भारत 2030 तक बना लेगा 9 गीगावाट तक के डेटा सेंटर, बिजली आपूर्ति बड़ी चनौती

**भारत** में डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल यह करीब 1.4 गीगावाट थी, जो 2030 तक 9 गीगावाट तक पहुंच सकती है। यदि ऐसा होता है तो भारत एक नया रिकॉर्ड कायम कर देगा। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि डेटा सेंटरों को जितनी क्वान्टिटी में बिजली चाहिए, वो भारत कहां से देगा? अब तक डेटा सेंटरों का कुल बिजली खपत में हिस्सा एक प्रतिशत से भी कम था। लेकिन अब ये बढ़कर तीन प्रतिशत हो जाएगा। सवाल है की भारत इनकी बिजली आपूर्ति के लिए क्या करेगा।

डेटा सेंटरों को दिन-रात चलाने के लिए बहुत बिजली चाहिए। पहले हाइड्रो और थर्मल पावर से काम चल जाता था, लेकिन अब यह काफी नहीं। इसलिए सोलर और विंड एनर्जी के सोर्स बढ़ाए जा सकते हैं। बैटरी स्टोरेज भी इसमें मदद करेगा ताकि बिजली की आपूर्ति स्थिर रहे। ट्रेड ब्रेन्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार ने 2030 तक 500 गीगावाट Renewable Energy क्षमता बनाने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसमें सोलर एनर्जी का सबसे बड़ा हिस्सा होगा, जो करीब 280 गीगावाट के आसपास होगा। विंड एनर्जी भी अच्छी प्रगति कर रही है। भारतीय पवन टरबाइन निर्माता संघ की रिपोर्ट के अनुसार, देश 2030 तक 100 गीगावाट विंड एनर्जी का लक्ष्य पूरा करने की ओर बढ़ रहा है। अभी देश में 50 गीगावाट से ज्यादा विंड एनर्जी क्षमता लगी हुई है। हर साल 18 गीगावाट से ज्यादा टरबाइन और उनके पार्ट्स बनाने की क्षमता है। यह लक्ष्य पूरा होने से डेटा सेंटरों को सस्ती बिजली मिल सकेगी। Renewable Energy प्रकृति से मिलती है और कभी खत्म नहीं होती। यह बार-बार अपने आप बनती रहती है। जैसे सूरज की रोशनी और हवा हमेशा रहते हैं, यह इन्हीं से बनती है। यह साफ होती है और प्रदूषण कम करती है। जबकि इसके विपरीत कोयला, पेट्रोल और गैस जैसे सोर्स एक दिन खत्म हो जाते हैं और इनसे पर्यावरण को नुकसान होता है।

डेटा सेंटर चलाने में बिजली का खर्च 30 से 40 प्रतिशत तक होता है। अभी ग्रिड से बिजली 7 से 10 रुपये प्रति यूनिट तक पड़ती है और कीमतें बदलती रहती हैं।

अजब - गजब

# बुरे वक्त के साथी रहे ट्रक से कर ली दोस्ती, घर की छत पर दे दी जगह

**अगर** आप किसी ट्रक को मकान की छत पर खड़ा देखें तो क्या सोचेंगे? पहले तो आप हैरत में पड़ जाएंगे, उसके बाद मन में तरह-तरह के सवाल आएंगे। कुछ ऐसा ही होता है, जब जबलपुर-नागपुर हाईवे से गुजरते समय। यहां एक मकान की छत पर बड़ा सा ट्रक खड़ा है। दरअसल, ये ट्रक एक क्लीनर की मेहनत की निशानी है। ट्रक की सफाई से शुरू हुआ सफर, ट्रक मालिक तक पहुंच चुका है। इस सफर में क्लीनर से मालिक बने शख्स की ट्रक से दोस्ती हो गई। आज दोस्त ट्रक उनके दो मंजिला मकान की छत पर खड़ा है। खास बात ये कि ट्रक अब भी चालू हालत में है।

यह सफलता की कहानी जबलपुर के कारोबारी अमरकांत पटेल की है, जो दसवीं फेल हो गए थे। फिर उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें। इसके बाद उन्होंने ट्रक में क्लिनर का काम शुरू किया। घर में महज जमीन का टुकड़ा था। फेल होने के बाद घर के लोग डांटा करते थे। इसके बाद उन्होंने छोटी सी उम्र में परिवार से दूरी बनाकर, ट्रक में चलना सही समझा। ट्रक क्लीनर का काम शुरू किया। धीरे-धीरे ट्रक चलाना सीख लिया। लेकिन, जब अमरकांत ट्रक चलाना सीख गए, तब उनकी चाह और बढ़ गई। अमरकांत ने अपना खुद का ट्रक खरीदने की ठान ली। उन्होंने बताया लाखों रुपए का ट्रक लेना आसान बात नहीं थी। ट्रक को खरीदने के लिए बैंक गारंटी लगती, जो देने के लिए उनके पास नहीं थी. लेकिन, एक दोस्त के पिता को काफी मशक्कत के बाद तैयार किया। अपने जीवन का पहला ट्रक काफी मुश्किलों से सन 2011 में खरीद लिया। इसी 10 चक्का ट्रक से पूरा भारत नाप दिया, जहां ट्रक लेकर माल की सप्लाई किया करते और इसके बाद पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।अमरकांत बताते हैं ट्रक को खरीद कर धीरे-धीरे मेहनत करते रहे और जबलपुर-नागपुर हाईवे पर लगभग 10 हजार स्क्वायर फीट की जमीन 2017 में ली। दो मंजिला मकान बनाया. इसके पीछे कारखाना भी है, जिसमें ट्रक की बॉडी बनाने का काम भी शुरू किया। इसके बाद अब इसी सपनों के दो मंजिला घर में 30 हजार खर्च कर क्रेन की मदद से ट्रक को अपने सिर आंखों पर रखकर चढ़ा दिया, जिससे ट्रक की दोस्ती याद आ सके। यह ट्रक एक सच्चा दोस्त है, जो फैमिली मेंबर की तरह साथ है।

## न्यूज विंडो

### नपा अध्यक्ष ने वार्ड 11 और 14 के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

**नर्मदापुरम।** नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में लगातार नगर में विकास कार्य किए जा रहे हैं। कार्य प्रभारी एवं नपा में उपयंत्री अंबक पाराशर ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड 11 एवं 14 में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वार्ड 11 में 30 लाख की लागत से बन रही नाली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पार्षद गणेश बाबरिया उपस्थित रहे। इसी तरह वार्ड 14 में 18 लाख की लागत से बन रही सड़क और नाली का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय वार्डवासियों से कहा कि सीमेंट कांक्रीट रोड जो बनाई जा रही है। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद प्रेम पंकज पांडे उपस्थित रहीं। वार्ड में सड़क और नाली बनाए जाने पर स्थानीय रहवासियों ने नपाध्यक्ष का आभार जताया।

### इटारसी में नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त विश्रामगृह का किया लोकार्पण

**इटारसी।** लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने इटारसी में लोक निर्माण विभाग (भवन) नर्मदापुरम के अंतर्गत 181.03 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त विश्रामगृह का लोकार्पण विधिवत पूजन अर्चन कर किया। लोकार्पण अवसर पर प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने कहा आज के बदले हुए मध्य प्रदेश में विकास की जो धारा प्रवाहित हो रही है, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में इस विकास धारा को और अधिक गति मिली है। उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की विश्रामग्रह के बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग को सहज स्वीकार्य करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया जाए। इसके पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक नर्मदापुरम डॉक्टर सीता सरन शर्मा ने मंत्री श्री सिंह का आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री द्वारा जिले को कई अन्य सौगातें भी प्रदान की गई है एवं करोड़ों रुपए के कार्यों का आज भूमि पूजन एवं लोकार्पण भी मंत्री श्री सिंह द्वारा किया गया है। इसी क्रम में उन्होंने नर्मदापुरम से टिमरनी तक 900 करोड रुपए के सड़क निर्माण कार्य के लिए भी प्रभारी मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

### बस और बाइक भिड़ंत में 1 व्यक्ति और चार मवेशियों की मौत

**सिरोंज।** सिरोंज-भोपाल रोड पर मुरादपुर के पास आज सुबह पाटीदार बस ने एक मोटरसाइकिल सहित चार जानवरों को टक्कर मार दी जिसमें 1 व्यक्ति सहित 3 गाय और 1 भैंस की मौत हो गई प्रत्यक्ष दर्शी कमरलाल प्रजापति ने बताया की में सुबह लगभग 8 बजे सड़क किनारे खड़ा तभी सिरोंज तरफ से तेज गति से आ रही बस ने एक मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर घसीटते हुए जानवरों को भी चपेट में ले लिया बस सिरोंज से भोपाल तरफ ओर मोटरसाइकिल भोपाल से सिरोंज तरफ जा रही थी इसके बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी वहीं लगभग आधा घंटा चक्का जाम भी किया। मौके पर पहुंची एसडीओपी सोनू डावर और तहसीलदार संजय चौरसिया ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश देकर जाम खुलवाया एसडीओपी ने बताया की घटना में भारतसिंह 32 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई है और एक साथी कल्याण कुशवाह 20 वर्ष जो घायल है उसको प्राथमिक उपचार के बाद विदिशा रेफर कर दिया है।

### हिन्दू सम्मेलन के लिए निकाली कलश यात्रा, भैरव पठार पर की ध्वज स्थापना

**सिरोंज।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गणेश बस्ती में होने वाले हिन्दू सम्मेलन के पहले रविवार को कलश यात्रा निकाली गई। शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा बस्तीवार हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। गणेश बस्ती में हिन्दू सम्मेलन 18 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर बस्ती प्रमुखों द्वारा लगातार सम्पर्क और विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को बस्ती में कलश यात्रा निकाली गई। ज्योतिषाचार्य पंडिल नलिनीकांत शर्मा के मार्गदर्शन में निकाली गई यह कलश यात्रा प्राचीन गणेश मंदिर से शुरू हुई। ढोल-ढमाकों के साथ निकली यात्रा में शामिल युवतियों और महिलाओं ने अपने सिर पर मनभावन तरीके से सजे कलश स्थापित कर रखे थे और वे धार्मिक गीत गुनगुनाते हुए चल रहीं थी। साथ में चल रहे पुरूष श्रद्धालु भगवान राम और भारत माता के जयकारे लगा रहे थे। यह कलश यात्रा पंचकुईया और रानापुरा से होते हुए भैरव पठार पर पहुंची। यहां पर सेवानिवृत्त प्राचार्य रघुनंदन शर्मा की मौजूदगी में ध्वज स्थापना की गई। जगह-जगह पर लोगों ने फूल बरसाकर कलश यात्रा का स्वागत किया।

## कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार

**गंजबासौदा।** आज सुबह शहर घने कोहरे के आगोश में समाया नजर आया। क्षेत्र में घना कोहरा छाने वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। क्योंकि कोहरे के कारण वाहनों को धीमी गति ओर लाइट जलाकर चलाना पड़ रहा था। वहीं कोहरे के कारण दिल्ली तरफ से आने वाली ट्रेनें भी विलंब से स्टेशन पहुंच रहीं है इस कारण यात्रियों को काफी परेशान होना पड़ा। क्योंकि दिल्ली तरफ से आने वाली कई प्रमुख ट्रेनें 2 से 11 घंटे तक विलंब से चल रहीं है। शहर में कई जगह सर्दी के कारण लोग अलाव पर हाथ सेकते नजर आए। मौसम में हुए बदलाव और तेज सर्दी की कारण अस्पताल में सर्दी खासी के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड का दौर जारी रहेगा इस लिए लोगों को सर्दी से बचाव के किए गर्म कपड़े पहनकर घर से बाहर निकलना चाहिए। सर्दी में छोटे बच्चे और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। और घने कोहरे में वाहन चालकों को सावधानी बरतने चाहिए।

**खुलासा:** प्रेम-प्रसंग के चलते हुई थी युवक की हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

# प्रेमिका के भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर धारदार हथियार से बेरहमी से किया कत्ल

**अजय आहूजा। मंडीदीप**

औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप के सतलापुर में शनिवार तड़के हुई संजय उर्फ टिल्लू तोमर की हत्या के मामले रविवार को सतलापुर पुलिस ने खुलासा कर दिया। थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि मृतक संजय उर्फ टिल्लू तोमर का मुख्य आरोपी रामेश्वर पुत्र वल्वंत लोधी की छोटी बहन से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इससे नाराज रामेश्वर लंबे समय से संजय से रंजिश रखता था और उसकी हत्या की योजना बना रहा था।

घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। रामेश्वर ने अपने साथियों जय उर्फ मयूर, पवन शर्मा, गोलू उर्फ काला, चुन्नू उर्फ सोनू, सुनील ठाकुर उर्फ कल्लू और एक नाबालिग के साथ मिलकर संजय पर हमला किया। आरोपियों ने धारदार हथियारों और लाठियों से संजय पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमला करने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

### सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान से मिली सफलता

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई की। मुख्य आरोपी रामेश्वर लोधी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष तीन आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें गठित की गई है। एसडीओपी शीला सुराणा के अनुसार सयुक्त टीम द्वारा व पुलिस की तत्परता से मामले का सफल खुलासा हुआ है और दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

**सांसद खेल महोत्सव**

### कबड्डी में 19 वर्ष बालिका वर्ग मलसीपुर और भगवंतपुर के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

जनपद पंचयात सिरोंज और नगरपालिका सिरोंज द्वारा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन गया जिसमें कबड्डी में 19 वर्ष बालिका वर्ग मलसीपुर और भगवन्तपुर के बीच खेला गया जिसमें भगवन्तपुर विजय रही। महिला वर्ग में सुजाता क्लब और बजरंग स्पोर्ट्स अकादमी इम्लानी के बीच खेला गया। बालक वर्ग ओपन में बजरंग स्पोर्ट्स अकादमी इम्लानी और लटेरी के बीच खेला गया जिसमें लटेरी विजयी रहा। फाइनल मुकाबला वीरपुर और लटेरी के बीच खेला गया। जिसमें वीरपुर विजयी रहा। 19 वर्ष बालक वर्ग में पहला मुकाबला मलसीपुर और आई.पी.एच. एस. के बीच खेला गया जिसमें आई.पी.एच. एस. विजय रहा दूसरा मुकाबला भगवन्तपुर और गरेठा के बीच खेला गया जिसमें गरेठा विजय, तीसरा मुकाबला के.डी. बी.एम.और शिवजी क्लब के बीच खेला गया निसमे गरेठा विजय रहा। पहला सेमीफाइनल आई.पी.एच. एस. और गरेठा के बीच खेला गया जिसमें गरेठा विजय रहा दूसरा सेमीफाइनल के.डी. बी.एम.और मुरवास के बीच खेला गया जिसमें के.डी. बी.एम.विजय रही। फाइन मुकाबला केडीबीएम और गरेठा के बीच खेला गया जिसमे गरेठा विजय रहा। वॉलीबॉल में ओपन में लटेरी बालक वर्ग में लटेरी की टीम एवं वॉलीबाल 19 बालक वर्ग में निर्मला कॉन्वेंट की टीम विजय रहा।

## डॉ. मोहन सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर गिनाए विकास कार्य

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने नर्मदापुरम में जिला सलाहकार समिति की बैठक ली और मां नर्मदा प्रकट्योत्सव 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद पत्रकारों से चर्चा भी की।जिला विकास सलाहकार समिति की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी मंत्री ने नवगठित समिति में शामिल विभिन्न क्षेत्रों के नामांकित सभी 20 सदस्यों का परिचय लिया और जिला विकास सलाहकार समिति के उद्देश्य एवं कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि समिति जिले की जनता, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों की जरूरत और सुझाव के अनुसार जिले की दीर्घकालीन विकास की योजनाएं बनाएगी। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद के तहत जिले में पर्यटन को लिया गया है, लेकिन नर्मदापुरम जिले में रेशम की भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा के सुझाव पर एक जिला एक उत्पाद के तहत पर्यटन के साथ-साथ रेशम की भी संभावना तलाशने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिले की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शासकीय योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए अपने आवश्यक सुझाव भी समय-समय पर देगी। समिति जिले में स्थानीय प्रयासों से नवाचार की योजनाओं को मूर्त रूप देगी। रोजगार सृजन के अवसर एवं विकसित मध्य प्रदेश के लक्ष्य के संबंध में सुझाव देगी। इसके साथ ही उद्योग, व्यापार, जल संरक्षण, जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात, कृषि, खनिज और पर्यावरण के क्षेत्र में जिले की कार्य योजना बनाने हेतु अपने उपयोगी सुझाव देगी।

**महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी की रोमांचक शुरुआत**

## बैतूल और जबलपुर ने मारी बाजी, इटारसी हारी

**इटारसी। दोपहर मेट्रो**

खेल प्रेमियों के लंबे इंतजार के बाद, मिनी गांधी स्टेडियम में अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हो गया है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का उद्घाटन शनिवार को नगर पालिका परिषद इटारसी के अध्यक्ष पंकज चौरे के मुख्य आतिथ्य में किया। उद्घाटन समारोह में तकनीकी समिति के सदस्य दीप सिंह ठाकुर, जयसिंह भदौरिया, अखिल दीप जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के दूसरे मैच के दौरान मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, नपा अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा नगर अध्यक्ष और आयोजन समिति अध्यक्ष राहुल चौरे, महामंत्री शैलेन्द्र दुबे, पुरानी इटारसी अध्यक्ष मयंक महतो और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। संचालन जय किशोर चौधरी ने किया।

मंत्री राकेश सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि, खिलाड़ी देश की धरोहर हैं, उनसे बड़ी आशाएं हैं। खेल भावना का जीवन में बड़ा महत्व है। उन्होंने जोर दिया कि हार-जीत चलती रहती है, लेकिन खेल जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ने के लिए सक्षम बनाते हैं। उन्होंने सभी टीमों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उद्घाटन के बाद प्रतियोगिता के पहले दिन दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता का पहला मैच ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी और बैतूल के बीच खेला गया। बैतूल की ओर से शिवा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। 31 वें मिनट तीसरे क्वार्टर में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी के दीपक ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 43 वें मिनट में निर्णायक क्षण में बैतूल के अभय ने शानदार फील्ड गोल कर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

**मेट्रो एंकर** नीलकंठेश्वर की नगरी में गूंजा हिंदू चेतना का शंखनाद

# सनातन धर्म की आत्मा समरसता है न कि भेदभाव: जगद्गुरु डॉ वेदांती

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

भगवान नीलकंठेश्वर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक भूमि उदयपुर रविवार को एक बार फिर सनातन चेतना, सामाजिक समरसता और हिंदू एकता के विराट संदेश की साक्षी बनी, जब नीलकंठेश्वर महादेव की पावन नगरी में पहली बार आयोजित हुए भव्य हिंदू सम्मेलन में सनातन धर्म की प्रमुख पीठ जगद्गुरु द्वारा सामाजिक एकता, समरसता, भाईचारे का संदेश एक मंच से दिया गया। इस अवसर पर रामानंदाचार्य संप्रदाय के जगतगुरु डॉ राम कमलाचार्य वेदांती जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की आत्मा समरसता है, न कि भेदभाव। परमात्मा ने कभी जाति व्यवस्था नहीं बनाई।

उल्लेखनीय है कि रविवार को उदयपुर सकल हिंदू समाज के आव्हान पर आयोजित हुए सम्मेलन में उदयपुर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से करीब दस हजार श्रद्धालुओं ने भागीदारी कर हिंदू एक जुटता का परिचय देते हुए एक संगत एक पंगत में संत समाज के साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण करते हुए सामाजिक समरसता का संदेश दिया। बस्ती में पहली बार धर्म गुरु के रूप में पहुंचे जगद्गुरु के स्वागत में उदयपुर वासियों ने पलक पांवडे बिछाकर अभूतपूर्व स्वागत किया। पठारी रोड गणेश मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा और जगद्गुरु की शोभायात्रा का संगम नीलकंठेश्वर महादेव के प्रवेश द्वार पर हुआ।

यात्रा मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंची, जहां जगद्गुरु की शोभायात्रा से इसका भव्य संगम हुआ। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही जगद्गुरु ने नीलकंठेश्वर महादेव की परिक्रमा की और रुद्राभिषेक संपन्न कराया। मंदिर के पुजारी पंडित नीरज शास्त्री ने वैदिक विधि से पूजन कराया। इसके पश्चात भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर हिंदू सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। सम्मेलन के दौरान विद्यार्थियों ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उदयपुर के इतिहास पर इतिहासकार गोविंद सक्सेना ने जानकारी मंच से दी। जगद्गुरु जी के उद्बोधन के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह संतोष मीणा ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। मंच पर वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी महाराज नूरपुर धाम के महंत, के अलावा अन्य साधु संत मंच को गरिमा प्रदान कर रहे थे। ग्राम पंचायत उदयपुर की सरपंच वर्षा राजेंद्र चौरसिया की ओर से जगद्गुरु सहित अन्य संतों का स्वागत सम्मान किया। मंच का संचालन वेदांश कुशवाहा ने किया जबकि आभार खंड कार्यवाह योगेश त्रिपाठी ने माना। कार्यक्रम में संघ के जिला प्रचारक राकेश परमार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे।

### रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नियम बने पर्यटकों के लिए मुसीबत

# प्रवेश शुल्क 15 सौ रुपए सुनते ही निराश होकर लौट रहे पर्यटक, टू-व्हीलर वाहनों पर प्रतिबंध

**विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा**



रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को देखने दूर-दराज से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। लेकिन प्रवेश शुल्क और नियमों की जानकारी मौके पर मिलने के बाद अधिकांश सैलानी निराश होकर वापस लौट रहे हैं।

पर्यटकों के अनुसार, टाइगर रिजर्व क्षेत्र में केवल फोर व्हीलर वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति है, वह भी अधिकतम छह लोगों के लिए, जिसके लिए 1500 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। जैसे ही पर्यटकों को इस शुल्क की जानकारी मिलती है, वे निदान वॉटरफॉल बैरियल से सिंगोरगढ़ बैरियल से ही लौटने को मजबूर हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, प्रतिदिन करीब 25 से 50 वाहन केवल प्रवेश शुल्क अधिक होने और नियमों की पूर्व जानकारी नहीं मिलने के कारण वापस लौट रहे हैं। इससे टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में लगातार कमी देखी जा रही है।

पर्यटकों का कहना है कि जबलपुर, कटनी, दमोह सहित आसपास के जिलों से लोग परिवार के साथ घूमने के उद्देश्य से यहां पहुंचते हैं, लेकिन हाईवे या प्रवेश स्थलों पर किसी भी प्रकार का सूचना पटल न होने के कारण उन्हें टिकट दरों और नियमों की जानकारी पहले से नहीं मिल पाती, जिससे नाराजगी बढ़ रही है।

जबलपुर से आए पर्यटक दीपक ने बताया कि वह परिवार के साथ निदान वॉटरफॉल और सिंगोरगढ़ घूमने पहुंचे थे। वहां पहुंचने पर पता चला कि केवल फोर व्हीलर को ही प्रवेश मिलेगा, वह भी 1500 रुपए शुल्क के साथ। टू-व्हीलर और पैदल प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि न तो कहीं जानकारी उपलब्ध थी और न ही पर्यटकों के लिए पानी या अन्य बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं। शुल्क भी काफी महंगा है, जिसके चलते कई लोग लौट चुके हैं।

इसी तरह जबलपुर के ही सैलानी गौरव सोनी ने बताया कि उनके साथ कुछ लोग टू-व्हीलर से आए थे, लेकिन प्रवेश से मना कर दिया गया। फोर व्हीलर का 1500 रुपए शुल्क आम पर्यटकों के लिए भारी पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि हाईवे और प्रवेश स्थलों पर सूचना पोर्टल लगाए जाएं, ताकि पर्यटक पहले से जानकारी प्राप्त कर सकें।

पर्यटकों का यह भी कहना है कि 25 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच हर वर्ष बड़ी संख्या में सैलानी रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर पहुंचते थे, लेकिन नए नियम और शुल्क लागू होने के बाद आने वाले समय में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आने की आशंका है। इस संबंध में टाइगर रिजर्व के डिप्टी रेंजर लईक खान ने बताया कि सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रिजर्व क्षेत्र में केवल फोर व्हीलर वाहनों को ही अनुमति दी गई है। एक वाहन में अधिकतम छह लोग जा सकते हैं और प्रवेश शुल्क 1500 निर्धारित है। पैदल और टू-व्हीलर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है।

फिलहाल, रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नए नियम पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बनते नजर आ रहे हैं। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शुल्क और नियमों की जानकारी पहले से सार्वजनिक की जाए तथा बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाए, ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

# मरती नदियां आबाद होते माफिया...

**बुंदेलखंड की डायरी**
**रवीन्द्र व्यास**

बुंदेलखंड मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 14 जिलों वाला यह ऐतिहासिक क्षेत्र विंध्याचल की पहाड़ियों से घिरा है। यहां केन, बेतवा,, धसान, यमुना, जामनी, सोनार, बागे और उर्मिल जैसी नदियां जीवन रेखा हैं। ये न केवल कृषि, पेयजल और आजीविका का आधार है, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाली लाल बालू जिसे स्थानीय लाल सोना कहते हैं,भी प्रदान करती हैं। दुर्भाग्य से, अंधाधुंध खनन ने इन नदियों को मृत्यु के कगार पर ला खड़ा किया है। छोटी नदियों को तो राजस्व रिकॉर्ड में नाला बता दिया गया है, जिससे उनका संरक्षण ही असंभव हो गया। शहरीकरण की होड़ में रेत की भूख बढ़ रही है, लेकिन बुंदेलखंड की जीवन रेखा केन नदी इसका शिकार बन रही है। पन्ना से बांदा तक बहने वाली इस नदी पर अवैध खनन ने पारिस्थितिकी को तबाह कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का 24 अगस्त 2025 का ऐतिहासिक फैसला जिसने पुनर्भरण अध्ययन बिना जिला सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) को अमान्य घोषित किया,अब केन पर सीधा असर डालेगा। लेकिन माफिया, राजनीति और प्रशासन की सांठगांठ से नदी का संकट गहरा रहा है। दरअसल 2000 से पहले रेत खनन सीमित और मजदूरी पर आधारित था,घरेलू जरूरतों के लिए ही नदी की रेत ली जाती थी। उसके बाद जेसीबी, पोकलैंड जैसी मशीनों ने नदियों की 20 से 50 तक फीट तक खुदाई शुरू कर दी। जिससे ना सिर्फ प्राकृतिक प्रवाह बाधित हुआ बल्कि किनारों की उपजाऊ जमीन नष्ट हो गईं। इन सबका असर ये हुआ कि आज नदियाँ सूख रही हैं, जलस्तर गिर रहा है। किनारे वासियों का संकट नदी किनारे के किसान, कुम्हार, मछुआरे और ढीमर बेरोजगार हो गए नतीजतन बुंदेलखंड में पलायन बढ़ा।

खनन के दुष्प्रभाव सामने आने लगे हैं जलस्तर नीचे जा रहा है, कृषि प्रभावित हो रही है, मिट्टी की नमी घट रही है। प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन का असर जलवायु को भी बिगाड़ रहा हैं।अवैध खनन पर एनजीटी में शिकायतें भी हुईं, लेकिन कार्रवाई नगण्य। राजनीतिक संरक्षण से केन-बेतवा जैसी नदियाँ के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया हैं। बांदा जिले में केन की लोअर स्ट्रीम सबसे ज्यादाप्रभावित है, जहां खप्टिहा कलां में दर्जनों पोकलेन ,नदी के बीच से रेत खोद रही हैं और ब्लैकलिस्ट खदानें (356/1-3) फिर सक्रिय हैं। सांडी गांव में रेत खत्म होने पर खेत गड्ढों में बदल गए, किसानों से जबरन कॉन्ट्रैक्ट लिया जा रहा। डीएमजे. रीभा ने अमलोर खादर और मरौली में छापे मारे डेस्कॉन बिल्डटेक पर 2.32 करोड़ और अन्य पर 39.76 लाख जुर्माना लगाया, लेकिन आसिफ इकबाल जैसे सिंडिकेट हावी हैं।पन्ना अजयगढ़ से रामनई तक मशीनों का आतंक पन्ना जिले के अजयगढ़ से शुरू होकर रामनई-बरौली-जिगनी में 2 किमी लंबी खाई बन गई, जहां लिफ्टर मशीनें और गुंडे सक्रिय हैं । किसान बूढ़ीबाई पर 22 करोड़ जुर्माना लगा था। आनंदेश्वर एग्रो जैसीफर्में नियम तोड़ रही हैं, नदी तल 10 से 15 मीटर गहरा हो गया। केन बचाओ आंदोलन यहां जोर पकड़ रहा है। छतरपुर के बीरा-चंदला पुल के नीचे पोकलेन पानी में रास्ता बनाकर खनन कर रही, रोज 500 ट्रक रेत ले जाते हैं , फायरिंग और विवाद यहाँ आम बात है। बरुआ-परेई खदान में 22 ट्रक जब्त हुए थे , तटबंध भी टूटे।गौरिहार क्षेत्र में हैवी मशीनें 4-6 फीट मिट्टी हटाकर रेत निकाल रही हैं , यहाँ नदी ने मार्ग बदल लिया है ।

पर्यावरणीय क्षति जिलों में खनन से भूजल 20-30 फीट नीचे पहुँच गया है , महाशीर जैसी मछलियां लुप्त हो रही हैं , कटान-बाढ़ की समस्या मिल रही जो अलग है , 2023 की बाढ़ में बांदा का एक गांव तबाह हो गया था । आज हालत केन नदी की बांदा जिले में ऐसी है कि धारा पतली हो गई है ,मानो नदी नहीं कोई नाला बह रहा हो। नदी किनारे के हेंड पम्प भी मुश्किल से पानी दे रहे हैं। माफिया कानपुर-लखनऊ सिंडिकेट से जुड़े वे प्रभावशाली लोग हैं जो उत्तर प्रदेश ही नहीं एमपी में भी खुदाई करने से नहीं डरते। डरता अगर कोई है तो वो है आम आदमी और प्रशासन। अगर केन नदी को बचाना है तो नदी के दोनों तटों के 200 मीटर क्षेत्र को बफर जोन बनाकर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, ड्रोन से निगरानी की जाए, ग्राम पंचायत की अनुमति ग्राम सभा के बाद अनिवार्य करें।रेत को प्रमुख खनिज घोषित कर ई-टेंडरिंग लाएं, एम-सैंडप्रोत्साहन दें। बांदा डीएम रीभा की कार्रवाई सराहनीय मानी जायेगी इसी तरह की कार्यवाही पन्ना और छतरपुर कलेक्टर से भी अपेक्षित है, वरना केन का क्रिया कर्म करने में लोभ की राजनीति पीछे नहीं रहेगी। रेत खनन से जैव-विविधता नष्ट हो रही , भू-कटाव-भूस्खलन बढ़ रहे। रेत पानी शुद्ध करने में सहायक होती है, लेकिन सैंड-पंपों ने यह क्षमता छीन ली। वैज्ञानिक खनन नीति, सतत निगरानी और कठोर कार्रवाई जरूरी। सरकार-समाज मिलकर नदियों को बचाए, वरना बुंदेलखंड का भविष्य अंधकारमय।

## झलौन में ट्रांसफार्मर स्थापित होने से 34 गांवों को मिलेगी बिजली

**तेंदूखेड़ा।** जिले के तारादेही वितरण केंद्र अंतर्गत झलौन उपकेंद्र में विद्युत विभाग द्वारा एक 10 एमव्हीए पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे पहले झलौन उपकेंद्र से 5 प्लस 5 एमव्हीए के पावर ट्रांसफार्मर के माध्यम से 34 ग्रामों को विद्युत आपूर्ति की जा रही थी, जिसके कारण वोल्टेज व सप्लाई संबंधी समस्याएं सामने आती थीं। 5 प्लस 10 एमव्हीए के ट्रांसफार्मर स्थापित होने से अब झलौन, बगदरी गुह्ची, गुबरा, बासापुरा, जनकपुरा, मगदुपुरा, अंचलपुरा, सेहरी, हरदुआ, बिसनाखेडी, ससना कला खुर्द, फुलर, कुद्पुरा, ओरियामल, तिपनी एवं धनेटा सहित 3480 उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। विद्युत विभाग ने अवगत कराया कि जिले में कुल 17 पावर ट्रांसफार्मर स्वीकृत कराए गए हैं, जिनमें से एक 10 एमव्हीके क्षमता के हैं। इन्हीं में से एक ट्रांसफार्मर का कार्य 14 दिसंबर 2025 को झलौन में पूरा किया गया है। इसके साथ ही कुछ दिन बाद तारादेही के 33 और11 केवी उपकेंद्र में भी 5 एमव्हीए का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया जाएगा।

## शिकायत पर कार्रवाई नहीं तो आक्रोशित महिलाओं ने हटाया मंदिर परिसर से कब्जा

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

औद्योगिक क्षेत्र के मोजमपुरा क्षेत्र में स्थित खेड़ापति मंदिर परिसर से स्थानीय महिलाओं ने हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अतिक्रमण हटा दिया। यह कार्रवाई तब की गई। जब स्थानीय लोगों की बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शानू खान (कबाड़ी) नामक व्यक्ति ने मंदिर परिसर में अपना कबाड़ा पटककर अवैध कब्जा कर रखा था, जिससे मंदिर आने-जाने में परेशानी हो रही थी और परिसर की पवित्रता प्रभावित हो रही थी। लोगों ने कई बार स्थानीय प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की गुहार लगाई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार, रविवार सुबह स्थानीय महिलाओं ने आगे आकर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं के सहयोग से खुद ही अतिक्रमण को हटा दिया। एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि मोजमपुरा में शानू कबाड़ी द्वारा मंदिर परिसर में कबाड़ पटक रखा था जिसे स्थानीय रहवासियों द्वारा हटा दिया गया, पुलिस थाने में इस मामले में कोई शिकायत नहीं है, अगर कोई मामला आयेगा तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

# झीकनी घाटी पर कार और ट्रक की भिड़ंत, चार लोग घायल

### ठेकेदार और एनएचएआई के जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

**बीना। दोपहर मेट्रो**



बांदरी थानांतर्गत नेशनल हाइवे पर झीकनी घाटी पर आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन फिर एनएच के अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है। ओवरब्रिज निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 8 बजे वन-वे रोड पर ट्रक और कार की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई, जिसमें चार लोग घायल हुए हैं और एक की हालत गंभीर है। बांदरी थाना पुलिस को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को बीएमसी भिजवाया। इस हादसे का कारण वन-वे रोड बताया जा रहा है। क्योंकि रात में वाहन चालकों को सामने से आ रहे वाहन किस तरफ से आ रहा है पता नहीं चलता और हादसा हो जाता है। यहां ठेकेदार द्वारा स्पष्ट संकेतक, प्रकाश की व्यवस्था, डायवर्ट रोड को लेकर सही संकेतक नहीं लगाए गए हैं। गौरतलब है कि एनएच अर्थोरिटी की लापरवाही से बुधवार को इसी घाटी पर चार पुलिस के जवान शहीद हो गए थे। साथ ही एक गंभीर रूप से घायल है। इसी दिन एक ट्रक चालक की भी मौत हुई थी।

### कभी भी बदल दिया जाता है वन-वे रोड

फोरलेन पर ब्लैक स्पॉट खत्म करने ओवरब्रिज निर्माण के चलते वन-वे रोड बनाया गया है, लेकिन इसमें एक ही रोड को वन-वे नहीं रखा जाता है, कभी दायी तरफ का, तो कभी बाये तरफ का रोड बंद कर दिया जाता है। जिससे यहां से आने-जाने वाले वाहन चालक भ्रमित हो जाते हैं और हादसे हो रहे हैं। थाना प्रभारी सुमेर सिंह जगेत ने बताया कि शनिवार रात में हादसा हुआ है, जिसमें चार लोग घायल हुए हैं और एक की हालत गंभीर है। इसके बाद एनएचएआइ के अधिकारियों से चर्चा की गई है और जिस जगह हादसे हो रहे हैं, वहां प्रकाश की व्यवस्था कराने सहित संकेतक बोर्ड लगाने और डायवर्ट रोड की जानकारी चालकों को रोड शुरू होने के पहले मिले ऐसी व्यवस्था की जाए। साथ ही बार-बार वन-वे रोड को न बदला जाए।

### संभाग में जोरों पर सिंडिकेट का अवैध कारोबार

## बेशकीमती मशीनों, कलपुर्जे और चोरी के वाहनों को कबाड़ में किया जा रहा तब्दील

**शहडोल। दोपहर मेट्रो**

संपूर्ण संभाग मानो इन दिनों सिंडिकेट कबाड़ माफियाओं के गिरफ्त में है। लगातार चोरी, लूट और डकैती जैसे वारदात खुलेआम बढ़ते क्रम में देखें जा रहे हैं। जिसके तार सीधे तौर पर इन कबाड़ माफियाओं के लिंक से जुड़ते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे,, बल्कि यह तो अब गली चौक चौराहों पर स्वमेव ही चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां पुलिस पर खुल्लम-खुल्ला संरक्षण दिए जाने के आरोप भी लग रहे हैं। आरोप को बल भी मिलता है, जब सवाल यह उठता हो कि आखिरकार सिंडिकेट के ठीहों में आसानी के साथ चोरी की सामग्रियां एकत्रित हो रही हों और उतनी ही आसानी पूर्वक यह बकायदा जिलों की सीमाओं को लांघ कर सुगमता के साथ अन्यत्र पहुंच रही हों। कहा यह भी जा रहा है कि, इस मामले में यदि उच्च स्तरीय जांच हुई तो, पुलिस विभाग के कई अफसर से लेकर कर्मियों पर आंच आ सकती है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन इसमें काफी मददगार साबित हो सकते हैं। यहां एक बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसके जुगाड़ व संरक्षण में यह अवैध कारोबार व सिंडिकेट फैल रहा है। कबाड़ के छोटे से छोटे ठीहे में भी लाखों रुपए का चोरी का माल पहुंच रहा है। जिन्हें बड़ी तेजी और मुस्तैदी के साथ जिले से बाहर तय स्थान पर बेखौफ होकर भेजा जा रहा है।

**मेट्रो एंकर**

### स्वैच्छिक तबादला लेने वाले भी नई पदस्थापना से कतरा रहे

# स्थानांतरण के बाद भी शिक्षकों का बरकरार मोह, नई संस्थाओं में नहीं कर रहे ज्वाइन

**कटनी। दोपहर मेट्रो**



जिले में आधा सैकड़ा से अधिक शिक्षकों का स्थानांतरण हो जाने के बावजूद वे अब तक नई पदस्थापना वाली संस्थाओं में ज्वाइन नहीं कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से ढाई दर्जन से अधिक शिक्षक ऐसे हैं जिन्होंने स्वेच्छा से स्थानांतरण लिया, फिर भी वे नए स्थान पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस स्थिति के चलते कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। जिले में शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद सामने आई लापरवाही अब बच्चों की शिक्षा पर भारी पडने् लगी है। जून माह में हुए तबादलों के बावजूद आधा सैकड़ा से अधिक शिक्षक अब तक अपनी नई पदस्थापना वाली संस्थाओं में ज्वाइन नहीं कर रहे हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से ढाई दर्जन से अधिक शिक्षक ऐसे हैं जिन्होंने स्वयं की इच्छा से स्थानांतरण लिया, फिर भी वे नई संस्था में योगदान देने से बच रहे हैं।

शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जून माह में जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। इन आदेशों के तहत कुल 50 से अधिक शिक्षकों का प्रशासनिक स्तर पर तबादला किया गया, वहीं 30 शिक्षकों ने स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए आवेदन किया था। इसके बावजूद शिक्षक अब तक नई संस्था में योगदान नहीं दे पाए हैं, जिनमें से 54 शिक्षकों ने पोर्टल पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। सूत्रों के अनुसार स्थानांतरण से असंतुष्ट कुछ शिक्षकों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और स्थगन आदेश (स्टे) प्राप्त कर लिया है। इससे प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई में भी देरी हो रही है। हालांकि, बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की भी है जिन्होंने न तो स्टे लिया है और न ही नई पदस्थापना पर ज्वाइन किया है। शिक्षकों के ज्वाइन न करने का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव उन स्कूलों पर पड़ रहा है जहां शिक्षक पदस्थापित तो दिख रहे हैं, लेकिन वास्तव में मौजूद नहीं हैं। चूंकि शिक्षा विभाग के पोर्टल में शिक्षक की पदस्थापना दर्ज है, इसलिए उन विद्यालयों में अतिथि शिक्षक की नियुक्ति भी नहीं हो पा रही। इस तकनीकी और प्रशासनिक विसंगति के कारण कई स्कूलों में एक या दो शिक्षकों के भरोसे पूरी कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

### छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा सीधा असर

शिक्षकों की कमी के कारण नियमित कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं। परीक्षा की तैयारी, पाठ्यक्रम की समय पर पूर्ति और बच्चों के शैक्षणिक स्तर पर इसका प्रतिकूल असर साफ देखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां पहले से ही संसाधनों की कमी बनी रहती है। बताया जा रहा है कि शिक्षा विभाग द्वारा संबंधित शिक्षकों को कई बार ज्वाइनिंग के लिए स्मरण पत्र (रिमाइंडर) भेजे गए, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। इस पूरे मामले में जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। न तो ज्वाइन न करने वाले शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो रही है और न ही वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। शिक्षाविदों और अभिभावकों का कहना है कि यदि विभाग ने जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया, तो इसका खामियाजा सीधे बच्चों को भुगतना पड़ेगा।

### नया खुलासा! कोलकाता में अव्यवस्था से नाराज हुए मेसी?

# सब्र टूटा तो सब कुछ छोड़कर स्टेडियम से निकले दिग्गज फुटबॉलर

**कोलकाता, एजेंसी**

13 दिसंबर का दिन कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम के लिए कभी न भूलने वाला बन गया। इस दिन फुटबॉल जगत के सबसे बड़े सितारों में से एक लियोनल मेसी पहली बार कोलकाता में मैदान पर उतरे। हजारों की संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंचे थे। लोगों ने सिर्फ मेसी की एक झलक पाने के लिए भारी-भरकम टिकट कीमतें चुकाईं, लेकिन जो उम्मीद लेकर आए थे, वही सबसे बड़ी निराशा में बदल गई। मेसी मैदान पर सिर्फ कुछ मिनट ही मौजूद रह सके, जिसके बाद उन्हें सुरक्षा कारणों से स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। इसके बाद हालात तेजी से बिगड़ते चले गए।

जैसे ही लियोनल मेसी मैदान में आए, उन्हें देखने के लिए 100 से ज्यादा लोग एक साथ उनकी ओर दौड़ पड़े। इनमें कई राजनीतिक नेता, गणमान्य व्यक्ति और सुरक्षा कर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा घेरा पूरी तरह टूट चुका था। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को दूर से भी मेसी ठीक से नजर नहीं आए। यही वजह रही कि फैंस का गुस्सा बढ़ता चला गया और स्थिति बेकाबू होने लगी। हालात ऐसे बन गए कि आयोजकों को मेसी को मैदान से बाहर ले जाने का फैसला लेना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम पर पूर्व भारतीय मिडफील्डर लालकमल भौमिक ने बड़ा खुलासा किया। भौमिक उस प्रदर्शनी मैच का हिस्सा थे, जो मोहन बागान मेसी XI और डायमंड हार्बर मेसी XI के बीच खेला गया था। स्पोर्ट्स नाउ से बात करते हुए भौमिक ने बताया, जब मेसी स्टेडियम में आए, तब सब कुछ बिल्कुल ठीक था। वह काफी सहज थे, मुस्कुरा रहे थे और हम सभी से हाथ मिला रहे थे। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के ऑटोग्राफ भी दिए।

### भीड़ बढ़ी, बदला मेसी का हावभाव

यह शांति ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। जैसे ही मैदान पर लोगों की संख्या बढ़ने लगी और हर कोई तस्वीरें खींचने के लिए आगे आने लगा, मेसी असहज महसूस करने लगे। भौमिक ने आगे कहा, जैसे ही बहुत ज्यादा लोग मैदान पर घुस आए और फोटो लेने लगे, मेसी साफ तौर पर असहज दिखने लगे। स्थिति तेजी से बिगड़ती चली गई।

### मेसी चिड़चिड़े हो गए

लालकमल भौमिक के मुताबिक, भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और इसका असर मेसी के व्यवहार पर साफ दिखने लगा। उन्होंने कहा, बहुत जल्दी मैदान पर जरूरत से ज्यादा भीड़ हो गई। हम सब देख सकते थे कि हर कोई उनके आसपास फोटो खींच रहा था और मेसी का रिएक्शन बदल रहा था। वह चिड़चिड़े हो गए, उनका सब्र जवाब देने लगा और हालात पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गए।

### टी-20 सीरीजः धर्मशाला में भारत ने ऐसे साउथ अफ्रीका को रौंदा

# वरुण चक्रवर्ती की मिस्ट्री, गेंदबाजों की केमेस्ट्री और अभिषेक का मैजिक

**भारत अब पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे**

**नई दिल्ली, एजेंसी**

**धर्मशाला में भारत-साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही भारत 5 मैचों की सीरीज में अब 2-1 से आगे है। ये जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप से पहले अब भारत के पास केवल 7 मैच ही बचे हैं। ऐसे में इस तरह का टीम प्रदर्शन बेहद पॉजिटिव संकेत है। इस मुकाबले में भारतीय टीम की एकजुटता देखने को मिली।**

इस मैच में मिस्ट्री गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन किया। वरुण ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च किए और 2 विकेट झटके। साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों के पास उनकी फिरकी का कोई जवाब नहीं दिखा। इस मैच में वरुण ने एक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने इस मैच में अपने 50 टी20 विकेट पूरे किए। केवल 32 मैच में उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की। कुलदीप के बाद वो सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय गेंदबाजी की खास बात ये रही की हर गेंदबाज के खाते में विकेट आया। कप्तान सूर्या ने इस मैच में 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। और हर गेंदबाज ने विकेट निकाल कर दिया। अर्शदीप, हर्षित, वरुण और कुलदीप को 2-2 सफलता मिली। जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या के खाते में एक-एक विकेट आए।

**अभिषेक का दिखा दम, लेकिन गिल-सूर्या सवालों में**

इस मैच में 118 रनों के जवाब में उतरी भारतीय टीम की तरफ से अभिषेक शर्मा फिर रंग में दिखे। उन्होंन 18 गेंदों में 35 रन जड़कर ठोस शुरुआत दिलाई। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। लेकिन गिल और सूर्या की बैटिंग सवालों में रही। गिल के बल्ले से जरूर 28 रन आए लेकिन उसके लिए उन्हें 28 गेंद खेलनी पड़ी। वो लय में नहीं दिखे। जिस तरह से वो आउट हुए उससे साफ है की वो अभी कॉन्फिडेंस में नहीं हैं। वहीं, सूर्या भी जब बैटिंग के लिए आए तो रंग में नहीं दिखे। भारत की जीत तब लगभग पक्की थी। लेकिन सूर्या मैच फिनिश नहीं कर पाए। उन्होंने 11 गेंद में 12 रन बनाए और आउट हो गए। सीरीज का चौथा मैच 17 दिसंबर को लखनऊ में होगा।

**1000 रन और विकेटों का शतक...**

### हार्दिक पंड्या टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी

**नई दिल्ली।** भारत-साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा टी20 मैच धर्मशाला में खेला गया। इस मुकाबले में स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। हार्दिक अब पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000 से ज्यादा रन बनाने और 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। यह रिकॉर्ड उन्हें न सिर्फ भारत बल्कि विश्व क्रिकेट में एक खास मुकाम दिलाता है। अब तक यह कारनामा सिर्फ स्पिन ऑलराउंडरों ने ही हासिल किया था। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000+ रन और 100+ विकेट का डबल पूरा कर चुके हैं। हार्दिक पंड्या इन तीनों के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं, लेकिन तेज गेंदबाजों में वह इस सूची में अकेले हैं। इसके साथ ही हार्दिक पंड्या भारत के लिए 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे पुरुष गेंदबाज भी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने हासिल की थी। अर्शदीप सिंह के नाम 112 विकेट हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 101 विकेट पूरे किए हैं। हार्दिक पंड्या की यह उपलब्धि उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाती है। वह निचले क्रम में तेज रन बनाने की काबिलियत रखते हैं और जरूरत पड़ने पर टीम के लिए अहम विकेट भी निकालते हैं।

**स्क्वॉश वर्ल्ड कप**

# हॉन्ग कॉन्ग को हराकर भारत ने पहली बार जीता वर्ल्ड कप

**नई दिल्ली।** भारतीय स्क्वॉश टीम ने इतिहास रचते हुए स्क्वॉश वर्ल्ड कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को हराकर पहली बार यह ट्रॉफी जीती। 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने निर्णायक जीत दर्ज कर भारत की ऐतिहासिक सफलता पर अंतिम मुहर लगाई।

यह भारत का पहला स्क्वॉश वर्ल्ड कप खिताब है। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 संस्करण में कांस्य पदक रहा था। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया, जो उसकी शानदार लय और दबदबे को दर्शाता है। ग्रुप चरण में भारत ने स्विट्जरलैंड और ब्राज़ील को 4-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में साउथ अफ्रीका और सेमीफाइनल में दो बार की चैंपियन मिस्र को 3-0 से मात देकर भारत ने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। महिला सिंगल्स में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 37 ली का यी को 3-1 से हराया। इसके बाद पुरुष सिंगल्स में भारत के शीर्ष रैंक खिलाड़ी अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को 3-0 से शिकस्त देकर भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

### अनाहत सिंह का दिखा जलवा

खिताबी मुकाबले में 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 31 टोमाटो हो को 3-0 से हराकर भारत के लिए ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। इसके बाद पुरुष सिंगल्स का आखिरी मैच खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ी। इस जीत के साथ भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मिस्र के बाद स्क्वॉश वर्ल्ड कप जीतने वाला चौथा देश बन गया। यह टूर्नामेंट लगातार तीसरी बार चेन्नई में आयोजित हुआ। स्क्वॉश अब 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में अपना डेब्यू करने जा रहा है।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

## धुरंधर की कास्टिंग में लगे डेढ़ साल,

# रहमान डकैत के लिए लाइन में थे 50-60 एक्टर्स

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन जैसे दिग्गज कलाकारों की फौज हैं, बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। इस फिल्म की खास तौर पर दिलचस्प कास्टिंग और एक्टर्स की शानदार परफॉर्मेंस के लिए तारीफ हो रही है। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने अब खुलासा किया है कि उन्हें और डायरेक्टर आदित्य धर को कास्टिंग फाइनल करने में लगभग डेढ़ साल लग गए। बता दें कि फिल्म धुरंधर फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने पहले 9 दिनों में भारत में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है। मुकेश छाबड़ा ने कहा कि फिल्म के साथ उनका मकसद लोगों को सरप्राइज देना था, और कास्टिंग को और भी दिलचस्प और फ्रेश बनाना था।

उन्होंने कहा, लोग इस फिल्म में ट्विस्ट की उम्मीद कर रहे थे, और इसलिए, मैं कास्टिंग के साथ चीजों को ट्विस्ट करना चाहता था। हर किसी को लगना चाहिए कि यह एक सोची-समझी बात है और हमने किसी को भी ऐसे ही कास्ट नहीं किया है। मुकेश छाबड़ा ने आगे बताया कि उन्हें और आदित्य धर को कास्ट फाइनल करने में लगभग 1।5 साल लगे। उन्होंने कहा, हर एक कास्टिंग के लिए हमने सचमुच बहुत समय लगाया यह सोचने में कि अर्जुन, माधवन, संजू बाबा या अक्षय सही रहेंगे या नहीं? हर दिन, मैं और आदित्य दो से चार घंटे बैठते थे, नामों पर चर्चा करते थे, लड़ते थे, बहस करते थे, यह एक्टर काम कर सकता है, नहीं कर सकता, चलो लोगों को सरप्राइज देते हैं, चलो कुछ एक्स्ट्रा करते हैं, और खुद को पुश करते हैं।

### रहमान डकैत- आलम का सिलेक्शन कैसे

इस समय सोशल मीडिया पर जहां अक्षय खन्ना को गैंगस्टर रहमान डकैत के रूप में उनकी शानदार परफॉर्मेंस के लिए हर कोई तारीफ कर रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शुरुआत में इस रोल के लिए कई एक्टर्स के नामों पर विचार किया जा रहा था? मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रहमान डकैत के रोल के लिए उनके पास अलग-अलग बैकग्राउंड के 50-60 एक्टर्स की लिस्ट थी। जिसमें साउथ फिल्मों के एक्टर्स भी शामिल थे। हालांकि, आखिरकार उन्होंने इस रोल के लिए अनुभवी एक्टर अक्षय खन्ना को कास्ट किया। मुकेश छाबड़ा ने पहले 2017 की फिल्म मॉम के लिए भी खन्ना का नाम सुझाया था। इस बीच, कास्टिंग डायरेक्टर ने यह भी बताया कि उन्होंने डोंगा और आलम के रोल के लिए बहुत सारे ऑडिशन लिए, जो आखिरकार नवीन कौशिक और गौरव गेरा को मिले।

## मेट्रो बाजार

# दिसंबर में विदेशी निवेशकों की बिक्री पर भारी पड़े घरेलू निवेशक

**मुंबई।** दिसंबर महीने में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 15,959 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों डीआईआई ने इसी समय 39,965 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। इसका मतलब यह है कि भारतीय निवेशकों ने विदेशी निवेशकों की तुलना में कहीं ज्यादा निवेश किया है और बाजार को संभालने में मदद की है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि आने वाले दिनों में विदेशी निवेशकों की शेयर बिक्री कम हो सकती है, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और कंपनियों की कमाई आगे चलकर बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, आम लोग लगातार म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए निवेश कर रहे हैं, जिससे बाजार को मजबूती मिल रही है। पिछले तीन महीनों से हर महीने म्यूचुअल फंड एसआईपी में 29,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हो रहा है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में एसआईपी के जरिए करीब 29,445 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इस लगातार निवेश की वजह से घरेलू निवेशक विदेशी निवेशकों की लगातार हो रही बिकवाली का असर सहन कर पा रहे हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा कि जब देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और कंपनियों की कमाई बढ़ने की उम्मीद हो, तब विदेशी निवेशकों का लगातार शेयर बेचना लंबे समय तक सही नहीं माना जा सकता।

# एआई क्षेत्र में भारत की नई धाक, दुनिया का तीसरा सबसे प्रतिस्पर्धी देश बना :रिपोर्ट

**नई दिल्ली ।** भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में दुनिया में तीसरा सबसे मजबूत और प्रतिस्पर्धी देश बनने का स्थान हासिल किया है। यह जानकारी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल रिपोर्ट में दी गई है। इस रैंकिंग से पता चलता है कि भारत का तेजी से बढ़ता टेक्नोलॉजी क्षेत्र और यहां के कुशल लोग दुनिया की एआई विकास यात्रा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका एआई के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है, जिसका स्कोर 78.6 है। चीन दूसरे स्थान पर है और उसका स्कोर 36.95 है। वहीं, भारत तीसरे स्थान पर है, जिसका स्कोर 21.59 है। इस लिस्ट में भारत ने दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस जैसे विकसित देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। स्टैनफोर्ड की यह एआई रैंकिंग कई बातों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है, जिसमें शोध और विकास, प्रतिभाशाली लोगों की उपलब्धता, निवेश, अर्थव्यवस्था पर असर, तकनीकी ढांचा, सरकार की नीतियां और लोगों की राय जैसे पहलुओं को शामिल किया जाता है। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि किस देश में एआई तकनीक कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है और सरकारें इसे कितना सपोर्ट कर रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि किसी देश की आमदनी का स्तर एआई में उसकी ताकत को प्रभावित करता है। हाई इनकम वाले देश इस लिस्ट में आगे हैं, जबकि चीन और ब्राजील जैसे अपर-मिडिल-इनकम वाले देश भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारत खास इसलिए है, क्योंकि यह कम इनकम वाले देशों में होते हुए भी इस लिस्ट में काफी ऊंचे स्थान पर है।

## कभी खुशी कभी गम के 24 साल पूरे, काजोल बोलीं

# कहीं न कहीं सबका राहुल है

90 के दशक में कई पारिवारिक और मल्टीस्टारर फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन कुछ फिल्में ऐसी रहीं, जो लोगों के जेहन में एक बार बसीं तो फिर निकली ही नहीं। ऐसी ही एक फिल्म कभी खुशी कभी गम रही, जिसमें परिवार की गरिमा, अमीर-गरीब की सीमा पार करता प्यार और तीन पीढ़ियों का संगम दिखाया गया था। आज फिल्म ने अपने 24 साल पूरे कर लिए हैं एक्ट्रेस काजोल और फिल्म डायरेक्टर करण जौहर ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर खुशी जताई है।

काजोल ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, सभी अंजली को मेरा संदेश, खुलकर और गर्व से अपनी बात कहती रहो! राहुल कहीं न कहीं तो है, लेकिन ट्रैफिक की वजह से शायद उसे देर हो गई है। वहीं करण जौहर ने फिल्म के कुछ सीन शेयर कर लिखा, इतने सालों बाद भी यह सबको परिवार, प्यार, ढेर सारी खुशी और थोड़ा गम की ताकत का एहसास कराती रहती है।

इस फिल्म ने शाहरुख खान और काजोल को आइकॉनिक जोड़ी के रूप में पेश किया, जिसमें काजोल के चुलबुले अंदाज ने फैंस का सबसे ज्यादा दिल जीता था। इसके अलावा, करण जौहर के लिए भी ये फिल्म दिल के बहुत करीब है। उन्होंने निर्देशक और निर्माता सूरज बडजात्या को टक्कर देते हुए हिंदी सिनेमा को बड़ी और हिट पारिवारिक फिल्म दी थी। इससे पहले पारिवारिक और रोमांस से भरी फिल्मों के लिए सूरज बडजात्या को ही जाना जाता था।

## न्यूज विंडो

### हाईवा ड्राइवर को आई झपकी कार नर्मदा में गिरी, तीन घायल

**खंडवा, एजेंसी।** इंदौर-ऐदलाबाद नेशनल हाईवे पर मोरटक्का में नर्मदा पुल पर देर रात हाईवा की टक्कर से कार नर्मदा नदी में गिर गई, वहीं एक अन्य कार हाईवे से टकराने पर उसमें सवार तीन लोग घायल हो गए। बेकाबू हाईवा भी पुल की रेलिंग तोड़कर आधा लटकने से आवाजाही ठप हो गई। मोरटक्का चौकी पुलिस द्वारा बड़वाह पुलिस और नाविकों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर कार को नर्मदा से निकलकर तथा वाहनों को सड़क से हटाकर आवाजाही शुरू करवाई गई। घायलों का अस्पताल पहुंचाया गया। हाइवा बेकाबू होने से इंदौर से खंडवा की ओर आ रहे 25 वर्षीय संजय पुत्र फूलचंद दंगोड़े निवासी मोहन अटूट की कार को हाइवा चालक ने टक्कर मार दी। कार उछलकर रेलिंग तोड़ते हुए 50 फीट नीचे नर्मदा नदी में जा गिरी।

### खरगे पर सवाल उठाने वाले पूर्व विधायक को कांग्रेस ने निकाला

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लिया गया है। खबर है कि कांग्रेस ने मुकीम को पार्टी से निकाल दिया है। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप लगे हैं। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र पर सवाल उठाए थे। साथ ही वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को नेतृत्व में भूमिका देने की मांग की थी।ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से आदेश जारी किया गया, 'सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते प्राथमिक सदस्यता से निकालने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। मुकीम ने गुरुवार को कहा, '...मैंने सोनिया गांधी को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया है कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और उनकी सलाह और नए नेतृत्व की जरूरत है...। श्री मल्लिकार्जुन खरगे बहुत वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन उम्र उनके पक्ष में नहीं है। 83 साल उम्र हो चुका है। विपक्ष की पार्टी के मुखिया के हिसाब से जो मेहनत करना चाहिए, जो दौड़ भाग करना चाहिए, लोगों को कनेक्ट करना चाहिए। वो संभव नहीं है। उन्हें सलाहकार रहकर किसी युवा को सामने लाना चाहिए।'

### शहडोल में पार्सल गोदाम में आग से लाखों का सामान जला

**शहडोल।** संभागीय मुख्यालय के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाणगंगा मेला मैदान के पास स्थित एस.एस. पार्सल गोदाम में बीती रात अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आगजनी की इस घटना में गोदाम में रखा करीब 30 लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया, जबकि पुलिस और दमकल कर्मियों की तत्परता से 25 लाख रुपये से अधिक का माल सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना रात लगभग 4 बजे की है। उस समय सोहागपुर पुलिस की चीता स्कॉट और मोबाइल पार्टी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। बाणगंगा मेला मैदान के पास से गुजरते समय चीता स्कॉट में तैनात आरक्षक शशि यादव की नजर गोदाम के अंदर लगी आग पर पड़ी। उन्होंने तत्काल मोबाइल पार्टी और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे तथा गोदाम के शटर पर लिखे नंबर के माध्यम से गोदाम मालिक को सूचित किया गया। गोदाम मालिक शुभम दुबे के अनुसार, उनके गोदाम में कीमती दवाइयां, हार्डवेयर सामग्री, जूते, इलेक्ट्रॉनिक सामान और 100 से अधिक कूलर रखे हुए थे। आग इतनी भीषण थी कि गोदाम में खड़े एक कार और एक लोडर वाहन भी आंशिक रूप से जल गए। हालांकि दमकल कर्मियों और पुलिस की सूझबूझ से दोनों वाहनों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

## दिल्ली-एनसीआर में धुंध में डूबीं सड़कें

**नई दिल्ली।** उत्तर भारत में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। कई राज्यों में शीतलहर का प्रकोप है। मप्र की राजधानी भोपाल में पारा 5.8 दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन भी दिल्ली पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तर पूर्वी मध्य प्रदेश में घने कोहरे की संभावना है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत मैदानी इलाकों में घने कोहरे और कम हवाओं के कारण आसमान में धंधु की मोटी चादर छाई हुई है, जिससे विजिबिलिटी जीरो हो गई है।

### घने कोहरे से देशभर में हाहाकार

# उप्र-राजस्थान में बड़े हादसे, कई राज्यों में ट्रेन-फ्लाइट्स हुई लेट

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आज घने कोहरे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अलग-अलग राज्यों में हुए सड़क हादसों में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं कोहरे का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स लेट होने की भी खबर है। आइजीआई एयरपोर्ट पर प्रस्थान की करीब 85 प्रतिशत और आगमन की एक-तिहाई उड़ानें विलंबित रहीं। मौसम विभाग ने 'मॉडरेट टू डेंस' कोहरे की चेतावनी जारी की थी, जिसके चलते लो विजिबिलिटी प्रोसीजर्स के तहत उड़ानों का संचालन किया गया। न्यूनतम दृश्यता 350 से 400 मीटर तक दर्ज की गई। वहीं लखनऊ में कोहरे से उड़ान और रेल सेवाएं प्रभावित हुईं, कई एक्सप्रेस ट्रेन तीन घंटे तक लेट हुई।

### पंजाब में शिक्षक दंपति की मौत

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कोहरे के कारण करीब 10 वाहन टकरा गए, हालांकि इनमें कोई जनहानि नहीं हुई। उधर, पंजाब के मोगा में संगतपुरा गांव के पास कार के पुल से गिरने से शिक्षक दंपती जसकरण सिंह और कमलजीत कौर की मौत हो गई।

राजस्थान में भी कोहरे का असर देखने को मिला। भरतपुर के दिदवाली गांव में आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए, जबकि चित्तौड़गढ़ में ट्रेलर और पिकअप की भिड़ंत में पिकअप चालक घायल हुआ। दौसा जिले में भी दृश्यता बेहद कम रही।

### कंटेनर में घुसी तेज रफ्तार कार

हरियाणा में आज सुबह कोहरे ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जमकर कहर बरपाया। जहां नूंह में कोहरे के कारण दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कई वाहन आपस में भिड़ गए तो वहीं फरीदाबाद में इसी एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार कार कंटेनर में घुस गई। इन दोनों हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया गया कि नरियाला पठकपुर गांव के समीप यह हादसा हुआ। आज सुबह ज्यादा कोहरा होने के कारण वाहन आपस में टकराए हैं। उधर, हादसे की सूचना मिलने पर एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और मार्ग को साफ कराया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ज्यादा स्पीड के कारण हादसे होते हैं।

**गाड़ियों के उड़े परखच्चे और 2 की मौत**

### 8 गाड़ियां आपस में टकराईं, 3 लोग घायल

तड़के दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर हापुड़ स्थित सरस्वती अस्पताल के पास घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। दृश्यता बेहद कम होने से आगे चल रहे वाहन के अचानक ब्रेक लेते ही पीछे से आ रहे वाहनों को चालक नियंत्रित नहीं कर सके। वाहनों पर संतुलन नहीं बना रहने से लगातार टक्कर होती चली गई। हादसे में आठ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम भी लग गया।

### नितिन नबीन का भाजपा कार्यकर्ताओं को मंत्र

# धैर्य के साथ काम करते रहिए पार्टी सब पर नजर रखती है

**एजेंसी, पटना**

भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन आज दिल्ली रवाना होने से पहले पटना के महावीर मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां दर्शन-पूजन किया, इसके बाद नबीन सिन्हा मेमोरियल पार्क में अपने पिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वह बीजेपी के एक मामूली कार्यकर्ता हैं और पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि वे संगठन के लिए काम करते रहें। पार्टी सब पर नजर रखती है।

उन्होंने कहा, पिता जी का आशीर्वाद है जो पार्टी ने मुझ पर विश्वास किया। कार्यकर्ताओं ने काम सिखाया और नेताओं ने मार्गदर्शन किया। यही कारण है कि 20 वर्षों के बाद पार्टी ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है। बीजेपी के युवा कार्यकर्ताओं से मैं कहना चाहूंगा कि काम पर विश्वास करना चाहिए, शॉर्ट कट में नहीं। राजनीति धैर्य का काम है। धैर्य के साथ निरंतर काम करते रहिए, सफलता मिलती है। नितिन नबीन ने बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को धन्यवाद दिया।

### अब 90 मिनट में पहुंच जाएंगे पुणे से मुंबई

**मुंबई, एजेंसी।** मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खोपोली के पास लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से जूझने वाले लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि खोपोली से पुणे तक एक नया एक्सप्रेसवे शॉर्टकट बनाया जाएगा, जिससे दोनों महानगरों के बीच का सफर महज 90 मिनट में पूरा हो सकेगा। इस 1000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार मिलकर पूरा करेंगी। वर्तमान में, खोपोली एक्जिट के बाद पुणे की ओर जाने वाला मार्ग मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का सबसे अधिक कंजेस्टेड सेक्शन माना जाता है।

यहाँ अक्सर कई किलोमीटर लंबे जाम लग जाते हैं, जिससे सफर का समय 3-4 घंटे से बढ़कर कई बार 5-6 घंटे तक पहुँच जाता है।नए प्रस्तावित शॉर्टकट का मकसद सीधे तौर पर इसी जाम वाले हिस्से को बायपास करना है। यह नया मार्ग मौजूदा रूट की तुलना में छोटा और अधिक सीधा होगा, जिससे यातायात का प्रवाह तेज और निर्बाध हो सकेगा।

# पीएम तीन देशों के दौरे पर रवाना हुए, जॉर्डन पहला पड़ाव

**नई दिल्ली, एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों के अहम दौरे पर रवाना हुए। इस यात्रा में वह जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत के पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ रिश्तों को नई मजबूती देने वाला है। व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर इस दौरान गहन बातचीत होगी।

**उमा हत्याकांड**

## बिलाल का कबूलनामा

# सीट बेल्ट से घोंटा गला फिर काट डाली गर्दन

**यमुनानगर, एजेंसी**

यमुनानगर में एक सनसनीखेज मामले में पुलिस ने एक युवती की निर्मम हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान, आरोपी बिलाल ने जो खुलासा किया है, वह रूह कंपा देने वाला है। उसने बताया कि युवती उमा, जिससे वह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था, उस पर शादी का दबाव बना रही थी। बिलाल की खुद की शादी तय हो चुकी थी और उसका निकाह 14 दिसंबर को होना था। शादी से पहले ही

पुलिस ने उसे दबोच लिया।

**'मेरे ऊपर बना रही थी दबाव...':** बिलाल ने कबूला कि उमा उसके ऊपर शादी का दबाव बना रही थी। इससे वह काफी परेशान हो चुका था। इस पर उमा से छुटकारा पाने के लिए उसने उसके कत्ल की योजना बनाई। इसी साजिश के तहत पिछले रविवार को घुमाने के बहाने उमा को साथ लाया।

रास्ते में कार की सीट बेल्ट से गला घोंट दिया। पकड़ा न जाए और लाश की शिनाख्त न हो, इस मकसद से शव की गर्दन काट ली और शरीर के कपड़े भी उतार दिए। फिर लाश को पांवटा हाईवे के पास बहादुरपुर पॉपुलर पेड़ की नर्सरी में फेंक गया।

### पीयूष गोयल का दावा

# मुंबई की 1000 एकड़ जमीन पर 50 हजार घर बनेंगे

**मुंबई, एजेंसी।** मुंबई के दहिसर इलाके के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का हाई-फ्रीक्वेंसी रडार, जो अभी दहिसर में लगा है, उसे अब गोराई में शिफ्ट किया जाएगा। इससे दहिसर में सैकड़ों एकड़ जमीन खाली होगी, जहां किफायती (अफोर्डेबल) हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकेंगे।

यह फैसला नागरिक उड्डयन मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, एएआई और अन्य संबंधित विभागों की बैठक के बाद लिया गया। इस बात की जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने दी। उन्होंने बताया कि रडार को शिफ्ट करने के लिए कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी, ताकि जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू हो सके।

जमीनों पर बनने वाले घर को लेकर केंद्रीय मंत्री और उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल ने कहा कि अगले पांच साल में करीब 50,000 घर बनाए या फिर पुराने घरों का पुनर्विकास किया जाएगा। इससे लोगों को पक्के घर, बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि यह फैसला कई वर्षों की कोशिशों और केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से संभव हो पाया है।

**मेट्रो एंकर**

### स्कूल-कॉलेज के बच्चों पर भड़के प्रेमानंद महाराज, कहा-

# गालियां और गंदी बातें करना बिगाड़ रहा स्वभाव

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आज के समय में स्कूल और कॉलेज के बच्चों का गंदी भाषा इस्तेमाल करना, गाली देना, गलत मजाक करना और कुछ खराब आदतें अपनाना एक आम ट्रेंड बनता जा रहा है। माता-पिता और समाज दोनों ही इस बदलाव को लेकर काफी चिंतित हैं। ऐसा ही एक परेशान शख्स अपनी चिंता दूर करने के लिए वृंदावन के मशहूर संत प्रेमानंद महाराज के पास पहुंचा।

जब इस भक्त ने महाराज से पूछा कि आज कल बच्चे गंदी भाषा क्यों बोल रहे हैं, गाली क्यों देते हैं, गंदे मजाक क्यों कर रहे हैं और गलत चीजों की तरफ इतना आकर्षित क्यों हो रहे हैं?, तो महाराज ने बिना घुमाए-फिराए बहुत साफ शब्दों में जवाब दिया। यही जवाब अब सोशल मीडिया पर भी तेजी से चर्चा में है। प्रेमानंद महाराज ने सख्ती से इस बात की निंदा की और कहा कि गंदी भाषा और गलत आदतें बच्चों के चरित्र और भविष्य दोनों को नुकसान पहुंचा रही हैं। महाराज के अनुसार, गंदी भाषा बोलने से बच्चे खुद ही अपने स्वभाव को खराब कर लेते हैं और धीरे-धीरे उनका व्यक्तित्व नीचे गिरने लगता है। वह बोले, आजकल ट्रेंड चल गया है गाली दे के ही बात करने का और ये बहुत गंदी बात है। आपस में गालियां देना, गंदी बातें करना, गंदे मजाक करना ये सब नहीं करना चाहिए। इससे हमारा स्वभाव बिगड़ता है। इससे हमारी बहुत हानि हो जाती है। मनोरंजन में हम नीचे पतित होते चले जा रहे हैं। ऐसा मनोरंजन नहीं करना चाहिए।

### विद्यार्थी जीवन तपस्या है, न कि मनमानी का समय

प्रेमानंद महाराज ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बेहद पवित्र और अनुशासित होना चाहिए। महाराज का कहना है कि छात्र जीवन अनुशासन और संयम का होता है। इसमें मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना, पढ़ाई पर ध्यान देना और अच्छे संस्कारों को अपनाना बहुत जरूरी है। वह बोले, विद्यार्थी का जीवन तो एक तपस्वी जीवन होता है। जो विद्यार्थी हस्तमैथुन करता है, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड बनाकर व्यभिचार करता है, नशा करता है, गंदी बातें बोलता है वो विद्यार्थी नहीं, भ्रष्ट आचरण वाला बच्चा है। ये दंडनीय मार्ग है। नहीं करना चाहिए। महाराज ने अंत में सभी युवाओं से अनुरोध किया कि वे खुद को गलत आदतों से दूर रखें और सम्मानजनक व्यवहार अपनाएं। उन्होंने कहा, नए-नए बच्चों से हमारी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि वो व्यसन और व्यभिचार से बचें। अपने बूढ़ों का सम्मान करें। समाज में अच्छे व्यक्तित्व को स्थापित करें। गंदे बच्चे बनकर समाज को गंदा न करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564